सतना
20 अप्रैल 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मोदी बोले-टीएमसी ने बंगाल की बहनों के साथ धोखा दिया

ममता नहीं चाहतीं बहनें-बेटियां ज्यादा संख्या में सांसद बनें, घुसपैठियों को हर फायदा मिल रहा

कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी। पीएम मोदी बंगाल के बिष्णुपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता सरकार यहां की बेटियों के साथ धोखा कर रही है। वह नहीं चाहती यहां की बेटियां ज्यादा संख्या में सांसद बनें। इसलिए संसद में आरक्षण से जुड़ा कानून पारित नहीं होने दिया।

पीएम मोदी की आज बंगाल में 4 रैलियां और जनसभाएं हैं। बिष्णुपुर के बाद वे पुरुलिया, झाड़ग्राम और फिर मेदिनीपुर जाएंगे। इन रैलियों का विशेष महत्व है। ये वही क्षेत्र हैं जहां BJP ने पिछले लोकसभा-विधानसभा चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन किया था।इससे पहले पीएम मोदी ने शनिवार को कोयंबटूर की जनसभा में कहा कि DMK के काले कारनामे जनता जान चुकी है। काले कपड़े पहनकर अपने गलत इरादों को नहीं छिपाया जा

सकता। तमिलनाडु की जनता संदेश दे रही है कि NDA सत्ता में आएगी और DMK बाहर जाएगी।

मोदी बोले- आप बीजेपी सरकार लाइए हम टीएमसी की परमानेंट सर्जरी करेंगे

पीएम ने कहा- TMC आदिवासी क्षेत्रों के लिए योजनाएं भी लागू नहीं करती। यहां कई पिछड़ी जनजातियां रहती हैं। ओडिशा-त्रिपुरा में आदिवासी समाज के लिए घर बनाए हैं, लेकिन बंगाल में एक भी घर नहीं बना है। क्योंकि यहां तृणमूल की सत्ता है।मैं यहां के किसान और नौजवानों की पीड़ा समझता हूं। मेरा कहना है कि जब तक मंडियों में टीएमसी का सिंडिकेट रहेगा, तब तक शोषण होता रहेगा। आप बीजेपी सरकार लाइए हम टीएमसी की परमानेंट सर्जरी करेंगे।

मोदी ने कहा- बंगाल टाइगर की दहाड़ से डर गई है TMC सरकार

पीएम ने कहा कि अस्ट्ट की सरकार बंगाल टाइगर की दहाड़ से डर गई है।यह बंगाल टाइगर यहां की जनता है।मैं टीएमसी के लोगों को आखिरी मौका दे रहा हूं अपने अपने थाने में आत्मसमर्पण कर दो।क्योंकि 4 मई के बाद कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा।

टीएमसी का सिंडिकेट कान खोलकर सुन लो, ये सब नहीं चलेगा।टीएमसी की निर्मम सरकार को गरीबों के दुख से मतलब नहीं, ये आप की सुविधा को रोक सकते हैं।मेरे पास सबूत हैं।

बांकुड़ा कला की धरती है।इस धरती ने कई महान संताानें देश को दी हैं। यहां कण-कण में शिल्प है।यहां कदम कदम पर टेराकोटा की कला के दर्शन होते हैं।मंदिर मूर्तियां यहां की पहचान हैं।ऐसे ही काम से जुड़े कारीगरों के लिए मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई।

मोदी ने कहा- महिलाओं से उनका हक टीएमसी नहीं ज्यादा दिन नहीं छीन सकती

मोदी ने कहा- बहनों की सुरक्षा और समृद्धि बीजेपी की प्राथमिकता है। अभी बंगाल सरकार के कारण यहां की बहनों को वह लाभ नहीं मिलता जो केंद्र सरकार बाकी राज्यों की महिलाओं को दे रही है।टीएमसी की निर्मम सरकार यह होने नहीं दे रही है।

बंगाल में बीजेपी की सरकार बनेगी तो बहनों को।मुफ्त राशन मिलेगा, उसे कोई छीन नहीं पाएगा।

200-फीट गहरी खाई में गिरी बस

दो महिलाओं की मौत: 28 घायल

5 की हालत गंभीर; कपड़ों से रस्सी बनाकर घायलों को बाहर निकाला

अजमेर, एजेंसी। अजमेर में यात्रियों से भरी बस 200 फीट नीचे खाई में गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। 28 लोग घायल हो गए। इनमें से 5 की हालत गंभीर है। पुष्कर जा रही बस में 31 लोग सवार थे। वे पीसांगन (अजमेर) में मायरा भरने जा रहे थे।

इस दौरान पुष्कर की घाटी में बस बेकाबू हो गई। हादसा पुष्कर से करीब 3 किलोमीटर पहले रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। मौके से गुजर रहे लोगों ने कपड़ों से रस्सी बनाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला।

सभी यात्रियों को पहले पुष्कर के सरकारी अस्पताल लेकर गए। वहां से उन्हें अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। एक्सीडेंट के बाद पुष्कर घाटी में लंबा जाम लग गया है।

ग्रामीण सीओ रामचंद्र चौधरी ने बताया- सांझीसर से आगे हादसा हुआ है। घायलों को लोगों की मदद से हॉस्पिटल में भर्ती करवा दिया गया है।

मप्र के अनूपपुर में ट्रैक्टर पलटने से 4 दोस्तों की मौत, गांव में पसरा मातम

अनूपपुर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में रविवार सुबह एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गया, जिससे सभी युवक उसके नीचे दब गए। बताया गया कि डिंडौरी जिले के रहने वाले चार दोस्त ट्रैक्टर से गिट्टी लेने जा रहे थे, तभी रास्ते में उनका वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और सभी की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार डिंडोरी जिले के करंजिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भीमकुंडी के रहने वाले चार युवक ट्रैक्टर लेकर अनूपपुर के पौनी गांव की ओर जा रहे थे।

मणिपुर में उग्रवादियों ने दो लोगों की हत्या की

चलती गाड़ी पर फायरिंग; एनआईए को जांच सौंपी; सर्च ऑपरेशन जारी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे एक रिटायर्ड आर्मी जवान समेत दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एसडब्ल्यू चिनाओशांग (46 वर्ष) और

यरुइंगम वाशुम (42 वर्ष) इंफाल से उखरुल जा रहे थे, तभी उग्रवादियों ने अचानक उनकी गाड़ी पर फायरिंग शुरू कर दी।

इस घटना से एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने उखरुल का दौरा किया था और कूकी तथा नागा समुदायों से शांति और संवाद बनाए रखने की अपील की थी।

राहुल पर एफआईआर का अपना आदेश हाईकोर्ट जज ने बदला

बिना नोटिस केस दर्ज करना सही नहीं माना; याचिकाकर्ता बोला- सीजेआई से शिकायत करेंगे

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ स्र्द्धक्र दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने

शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया।कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार (17 अप्रैल) को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी।

ईरान बोला- अमेरिका पर भरोसा नहीं, हालात बिगड़ सकते हैं

होर्मुज से हमारे जहाज नहीं निकले तो किसी के नहीं गुजरने देंगे

तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी।ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं हैं। संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है।

शनिवार रात दिए बयान में गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है।

गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होर्मुज में माइन-क्लियरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही दावा किया कि अमेरिका के पास संसाधन और हथियार होने के बावजूद रणनीतिक तौर पर वह ईरान के सामने कमजोर पड़ा है।

पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान की संभावित बातचीत से पहले सुरक्षा बढ़ाई

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत से पहले पाकिस्तान ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। इस्लामाबाद और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

संवेदनशील इलाकों, खासकर एयरपोर्ट और सैन्य ठिकानों के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है। साथ ही ड्रोन उड़ाने और अन्य गतिविधियों पर पाबंदियां लगाई गई हैं। हालांकि बातचीत की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन पाकिस्तान किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहता है।

रक्षा मंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक कहा- पश्चिम एशिया के हालात अस्थिर, हर स्थिति के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली, एजेंसी।भारत को पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि क्षेत्र की मौजूदा स्थिति अस्थिर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यह बात कही।

रक्षा मंत्री ने की बैठक की अध्यक्षता:राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर रखने के लिए बनाए गए मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

महाराष्ट्र के वर्धा और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में तापमान 45डिग्री

छत्तीसगढ़-ओडिशा-झारखंड में रात में लू का अलर्ट, यहां लगातार तीसरे दिन पारा 40डिग्री से ज्यादा

नई दिल्ली/भोपाल/ जयपुर/लखनऊ, एजेंसी। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों और मध्य भारत में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के वर्धा में तापमान 45डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

शनिवार को देश के 10 सबसे गर्म शहरों में यूपी का बांदा 44.6, तेलंगाना का आदिलाबाद 44.3, महाराष्ट्र के नागपुर-अमरावती 44.2 और मध्य प्रदेश का रतलाम 44डिग्री भी शामिल रहा।

राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में तापमान 43डिग्री से ज्यादा रहा। यानी मई से पहले ही तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हो गई है।

मौसम विभाग ने आज छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में आज रात को भी लू चलने का अलर्ट जारी किया है। दरअसल इन राज्यों में लगातार तीसरे दिन पारा 40डिग्री से ज्यादा है।

झारखंड के रांची में चिड़ियाघर के जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। ओडिशा के 9 जिलों के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

हालांकि पूर्वोत्तर के 10 राज्यों बिहार, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बारिश का अलर्ट है। वहीं दक्षिणी राज्य उत्तर कर्नाटक में ओले गिरने का अलर्ट है।

चारधाम यात्रा शुरू: गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, हजारों श्रद्धालु बने साक्षी

पहली पूजा पीएम के नाम की हुई; बाबा केदार की डोली भी ऊखीमठ से रवाना

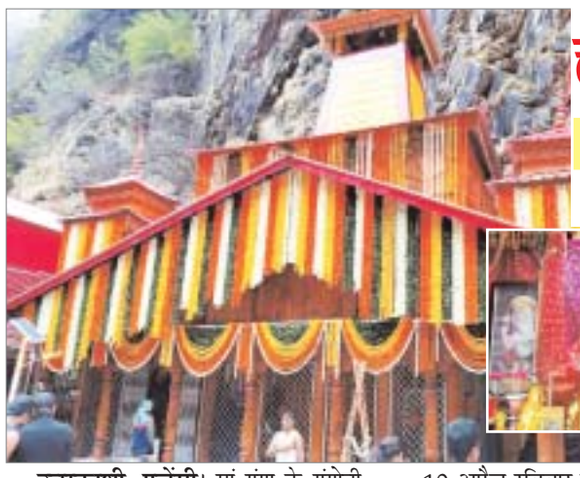

उत्तरकाशी, एजेंसी। मां गंगा के गंगोत्री धाम में कपाट खुलने के बाद यमुनोत्री धाम में यमुना जी के कपाट छह माह के लिए आज 19 अप्रैल की दोपहर 12 बजकर 35 मिनट पर खोल दिए गए हैं. अब श्रद्धालु यमुना जी के छह माह यमुनोत्री धाम में दर्शन कर पाएंगे. इससे पूर्व रविवार सुबह ढोल दमाऊ के साथ मां यमुना जी की विग्रह डोली खरसाली से यमुनोत्री धाम के लिए रवाना हुई. उनके भाई शनि महाराज हर वर्ष की भांति अपने बहन को छोड़ने यमुनोत्री धाम पहुंचे।

19 अप्रैल रविवार को डोली प्रस्थान के दौरान खरशाली और आसपास के गांवों में भावुक माहौल देखने को मिला. ग्रामीणों ने नम आंखों से अपनी आराध्य देवी मां यमुना को विदा किया. पूरे क्षेत्र में ढोल-नगाड़ों, मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच डोली यात्रा आगे बढ़ी, जिसने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया ।

दरअसल, शीतकाल के दौरान मां यमुना की भोग मूर्ति खरशाली गद्दी स्थल में विराजमान रहती है, जहां पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना और दर्शन होते हैं. लेकिन ग्रीष्मकाल के आगमन के साथ ही अब मां यमुना की पूजा-अर्चना यमुनोत्री धाम में संपन्न होगी।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां यमुना यमुनोत्री धाम में भैया दूज (यम द्वितीया) तक विराजमान रहती हैं. इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु धाम पहुंचकर दर्शन का लाभ उठाते हैं. कहा कि परंपरा के अनुसार, खरशाली और आसपास के ग्रामीण मां यमुना की डोली के साथ पैदल यात्रा करते हुए यमुनोत्री धाम तक जाते हैं. यह यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं को भी जीवंत बनाए रखती है. चारधाम यात्रा के शुभारंभ के साथ ही प्रशासन और मंदिर समिति ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित दर्शन के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं. आने वाले दिनों में यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

केदारनाथ यात्रा का शुभारंभ : ओंकारेश्वर मंदिर से रवाना हुई पंचमुखी डोली, 22 अप्रैल को खुलेंगे कपाट

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की वार्षिक यात्रा के तहत भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली रविवार को शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद धाम के लिए रवाना हो गई। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच डोली के प्रस्थान के साथ ही क्षेत्र 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर को लगभग आठ कुंतल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा। पूर्व परंपरा के अनुसार शनिवार रात्रि को भैरवनाथ जी की पूजा-अर्चना भी संपन्न की गई। डोली यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और कई भक्त पैदल ही यात्रा में सम्मिलित हुए। निर्धारित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार डोली ऊखीमठ से प्रस्थान कर गुप्तकाशी पहुंचेगी, जहां श्री विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन देने हेतु अल्प विश्राम किया जाएगा। इसके पश्चात डोली फाटा के लिए प्रस्थान करेगी, जहां रात्रि विश्राम निर्धारित है। आगामी 20 अप्रैल को डोली फाटा से प्रस्थान कर गौरीकुंड स्थित गौरीमाई मंदिर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। अगले दिन 21 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचकर मंदिर भंडार में विराजमान होगी। इसके बाद 22 अप्रैल को प्रातः 08 बजे शुभ मुहूर्त में केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, जिसके साथ ही यात्रा का औपचारिक शुभारंभ होगा। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग और बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सड़क एवं पैदल मार्गों का सुदृढ़ीकरण, बर्फ हटाने सहित सभी आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।

नोएडा एयरपोर्ट के पास चल रहा बड़ा 'खेल', सरकार को हो रहा नुकसान; प्रशासन की कार्रवाई का नहीं दिख रहा असर

जेवर (ग्रेटर नोएडा), एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क्षेत्र में दोगुने मुआवजे और प्लॉट के लालच में किसानों की जमीन पर बाहरी लोग लगातार अवैध निर्माण कर रहे हैं। कम लागत से मकान तैयार करने के चक्कर में लोग बेहद निम्न गुणवत्ता के भवन को तैयार कर रहे, जिससे कई बार हादसे भी हुए हैं। नगला हुकमसिंह, रामनेर व नीमका गांव में लोगों को जान गंवाने के साथ ही घायल हो चुके हैं। पुलिस-प्रशासन लगातार ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी करता रहा है, उसके बावजूद भी निर्माण कार्य रुकने का नाम नहीं ले रहे। अब प्रशासन ने निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाले एजेंसी ठेकेदार और निर्माण कराने वाले मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। जिससे राज्य सरकार को होने वाली वित्तीय क्षति से रोका जा सके।

अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे व तीसरे चरण के लिए अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। दोनों चरणों में एयरपोर्ट की सीमा के अंदर आने वाले नगला हुकमसिंह, कुरैब, नगला जहानू, रन्हेरा, थोरा, बनवारीवास, नीमका, ख्वाजपुर, रामनेर, किशोरपुर आदि गांव का विस्थापन किया जाना है। इन गांव में विस्थापन का अनुचित लाभ और लागत का दो गुना मुआवजा लेने के लिए कुछ बाहरी लोग दोयम दर्जे की ईंटों को मिट्टी के गिलाए में चिनाई करा महल खड़े कर रहे हैं। ऐसे मिट्टी के महल लगातार हादसे का शिकार भी हो रहे है एयरपोर्ट क्षेत्र के नगला हुकमसिंह गांव में दो मंजिला मकान गिरने से चार लोगों की मौत हो गई थी।

सिवारा गांव में डाले जा रहे लिंटर को रुकवाया था: वहीं, रामनेर गांव में भी कुछ दिनों पूर्व मकान गिरने से काम पर लगी महिला श्रमिक की जान चली गई। इसके अलावा मुकीमपुर सिवारा और नीमका गांव में भी मकान गिरने की वजह से हादसे हुो चुके हैं। लगातार हादसों को देखते हुए तहसील प्रशासन की तरफ से इन गांव में निर्माण सामग्री ईंट, सीमेंट, सरिया, रोड़ी, डस्ट, बालू रेता की आपूर्ति पर रोक लगा दी थी। लेकिन निर्माण करने वाले अब रात के समय निर्माण कार्य करा रहे हैं। दो दिन पूर्व ही तहसील की टीम ने रात के वक्त मुकीमपुर सिवारा गांव में डाले जा रहे लिंटर को रुकवाया था।

प्रभावित गांव में निर्माण की पुलिस प्रशासन कर रहा निगरानी: पुलिस-प्रशासन की सख्ती के बाद एयरपोर्ट क्षेत्र में लोगों दिन के समय निर्माण कार्य नहीं करा रहे अब रातों रात निर्माण कराए जा रहे हैं। जिसकों देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीमों ने रात के समय भी निगरानी शुरू कर दी है, जिससे रात के वक्त भी लिंटर न डाले जा सके। साथ ही निर्माण सामग्री आपूर्ति करने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। निर्माण कार्य पकड़े जाने पर भवन स्वामी के साथ ही निर्माण सामग्री आपूर्ति करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 11 की अधिसूचना के बाद अधिग्रहण प्रक्रिया पूर्ण होने तक प्रभावित भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह से अवैध है। उसके बाद भी जो लोग परियोजना को प्रभावित करने और राज्य सरकार को भारी वित्तीय क्षति पहुंचाने के लिए अवैध निर्माण करने और निर्माण के लिए सामग्री की आपूर्ति कराने वाली एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ ही गैंगस्टर एक्ट तक की कार्रवाई कराई जाएगी।

डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा खंडित होने पर भड़के लोग

साहिबाबाद(गाजियाबाद), एजेंसी। गाजियाबाद के साहिबाबाद में लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के इंद्रापुरी कॉलोनी में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को देर रात असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। जानकारी मिलने पर एकत्र हुए लोगों ने जमकर नारेबाजी करते हुए रोड जाम कर दी। इंद्रापुरी कॉलोनी गुरू द्वारा रोड के कोने पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थिपित है।

रविवार सुबह बाबा साहेब की प्रतिमा खंडित मिली। असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा का सिर अलग कर दिया था।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा टला, बाइक सवार को बचाने के चक्कर में तीन गाड़ियां टकराईं

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार को एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने की कोशिश में तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। राहत की बात यह रही कि इस पूरे घटनाक्रम में किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, वाहनों को नुकसान पहुंचा। त्रिखा कॉलोनी निवासी युवक ने बताया कि वह अपनी किया सेल्टोस कार से घर लौट रहा था। जैसे ही वह बडोली पुल के पास पहुंचा, अचानक एक बाइक सवार उसकी कार के सामने आ गया। टक्कर लगने से

बचाने के लिए उसने तुरंत गाड़ी मोड़ी, लेकिन कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस अचानक हुए घटनाक्रम के चलते पीछे आ रही वैगनआर कार चालक ने समय रहते ब्रेक लगा दिए और गाड़ी रोक ली। लेकिन उसके पीछे चल रही हुंडई कार को संभलने का मौका नहीं मिला और उसने वैगनआर को पीछे से टक्कर मार दी। हुंडई कार चालक अमन के अनुसार, आगे चल रही दोनों गाड़ियां अचानक रुक गई थीं। उन्होंने गाड़ी को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की, लेकिन दूरी कम होने के कारण टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि सभी क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर ट्रैफिक को जल्द ही सामान्य कर दिया गया। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में सावधानी बरतने की जरूरत को उजागर करता है, जहां कुछ सेकंड की प्रतिक्रिया बड़े हादसे को टाल भी सकती है और पैदा भी कर सकती है।

नेतन्याहू के गुस्से से घबराए ट्रंप : इस्राइल को बताया महान सहयोगी, पहले लेबनान में हमलों को लेकर कही थी ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी ईरान संकट और इस्राइल-लेबनान तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल के रिश्तों में भी हलचल देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयानों ने कूटनीतिक स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है। क्षेत्रीय अस्थिरता के इस दौर में, विशेष रूप से युद्धविराम प्रोटोकॉल और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री संचालन की सुरक्षा को लेकर बातचीत जटिल बनी हुई है। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि इस्राइल को लेबनान में एयरस्ट्राइक रोकनी होगी। उन्होंने लिखा था कि 'अब बहुत हो गया', जिससे यह संकेत गया कि अमेरिका ने इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया है। इस बयान के बाद इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके सलाहकारों में चिंता बढ़ गई और व्हाइट हाउस से स्पष्टीकरण मांगा गया।

ट्रंप ने बदला रुख, इस्राइल को बताया मजबूत सहयोगी: विवाद बढ़ने के बाद ट्रंप ने अपने रुख में नरमी दिखाई और इस्राइल की तारीफ करते हुए उसे अमेरिका का महान सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस्राइल साहसी, मजबूत, वफादार और समझदार देश है, जो कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती से खड़ा रहता है। ट्रंप के इस बयान को उनके पहले दिए गए सख्त संदेश के उलट माना जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि समझौता केवल आक्रामक सैन्य अभियानों पर रोक लगाता है, लेकिन आत्मरक्षा का अधिकार सुरक्षित रहता है। इस बयान से यह स्पष्ट करने की कोशिश की गई कि इस्राइल अपनी सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है।

कमला हैरिस का भी इस्राइल पर बयान: इस बीच पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी इस्राइल की नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक ऐसे संघर्ष में शामिल हो गया है, जिसे अमेरिकी जनता नहीं चाहती थी। उनका आरोप है कि मौजूदा हालात में अमेरिका को अनावश्यक सैन्य तनाव में खींचा गया है।

हिजबुल्लाह नेता नईम कासिम ने इस्राइल के साथ चल रहे 10-दिवसीय युद्धविराम को बनाए रखने के लिए कुछ शर्तें सामने रखी हैं। अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में कासिम ने कहा कि शांति तभी संभव है जब सभी प्रकार की सैन्य कार्रवाई (हवाई, जमीनी और समुद्री) पूरी तरह बंद हो। उन्होंने यह भी मांग की कि अगले चरण में इस्राइल को लेबनान की जमीन से पूरी तरह हटना होगा। इसके बाद कैदियों की रिहाई और सीमा क्षेत्रों से विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

अमेरिकी प्रतिबंध की मार झेल रहा क्यूबा: गहराया ईंधन संकट, समझिए स्पेन समेत कई देशों की कैसे बढ़ी चिंता

मैड्रिड, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद क्यूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का

उल्लंघन हो। इसके साथ ही उन्होंने क्यूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया।

ब्राजील-स्पेन और मैक्सिको ने क्या कहा: अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया।

उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें।

सीजफायर के बीच दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हमले जारी, यूएई-ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिकों की बैठक

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका के साथ अगली बातचीत के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। ईरानी अधिकारी ने कहा कि पहले एक साझा समझ और ढांचा तैयार करना जरूरी है, तभी आगे की बातचीत संभव होगी। पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में हुई उच्च स्तरीय वार्ता भी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी थी। इसे 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से सबसे अहम कूटनीतिक बातचीत माना जा रहा है। बातचीत के बीच सबसे बड़ी चिंता का विषय होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है। तनाव के चलते इस क्षेत्र में अनिश्चितता बढ़ गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी असर देखा जा रहा है।

सीजफायर के बावजूद दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के हमले जारी, बढ़ा तनाव: लेबनान में जारी युद्धविराम के बावजूद इस्राइली सेना ने एक बार फिर दक्षिणी हिस्से में हवाई और तोपखाने हमले किए हैं। इस्राइली सेना ने इन कार्रवाईयों को खतरे के खिलाफ उठाया गया कदम बताया है, जो कथित तौर पर नई येलो लाइन के दक्षिण में स्थित थे। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बेरूत से जुड़े संवाददाता ने बताया कि रविवार को इस्राइल ने कई गांवों में लगातार गोलाबारी और मशीनगन से फायरिंग की। इसके साथ ही दो अलग-अलग हवाई हमले भी किए गए। पहला हमला हिजबुल्ला के उन लड़ाकों पर किया गया, जो इस्राइल के अनुसार येलो लाइन के करीब पहुंच रहे थे, लेकिन उसे पार नहीं किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि यह गतिविधि रेखा के उत्तर में हुई थी, न कि उसके भीतर। दूसरा हमला एक व्यक्ति पर किया गया, जो एक सुरंग के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ रहा था, जो येलो लाइन के दक्षिण में स्थित बताया गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया कि इस कार्रवाई में उस सुरंग के प्रवेश द्वार को भी नष्ट कर दिया गया। इस्राइली सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, ये हमले युद्धविराम का उल्लंघन नहीं हैं और इन्हें सुरक्षा कारणों से अंजाम दिया गया है।

ईरान में हवाई क्षेत्र चरणबद्ध तरीके से फिर खोलने की तैयारी: इसी बीच ईरान से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है, जहां देश के नागरिक उड्डयन संगठन ने हवाई क्षेत्र को धीरे-धीरे खोलने की योजना की घोषणा की है। तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान का हवाई क्षेत्र चार चरणों में खोला जाएगा। पहले चरण में ट्रांजिट फ्लाइट्स को अनुमति दी जाएगी। इसके बाद पूर्वी हवाई अड्डों से उड़ानों की शुरुआत होगी। तीसरे चरण में तेहरान के मेहराबाद और इमाम खुमैनी हवाई अड्डों से उड़ानों की अनुमति दी जाएगी, जबकि अंतिम चरण में पश्चिमी हवाई अड्डों को भी खोला जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल टिकटों की बिक्री स्थगित है और यात्रियों को आधिकारिक घोषणाओं पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि हवाई क्षेत्र खोलने की प्रक्रिया कब से शुरू होगी। संयुक्त अरब अमीरात (श्र) और यूनाइटेड किंगडम (च) के शीर्ष राजनयिकों ने क्षेत्रीय हालात और बढ़ते तनाव को लेकर अहम बातचीत की है। बैठक में दोनों देशों ने पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात और सुरक्षा चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की। यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान और ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर ने क्षेत्रीय विकास और ईरान की ओर से खाड़ी देशों पर कथित बिना उकसावे वाले और आतंकी हमलों के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया। यूएई विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, यवेट कूपर ने यूएई के साथ एकजुटता जताते हुए कहा कि वह देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों का समर्थन करता है। वहीं, शेख अब्दुल्ला ने ब्रिटिश विदेश सचिव की इस यात्रा को दोनों देशों के मजबूत संबंधों का प्रतीक बताया और कहा कि यह यूएई के प्रति ब्रिटेन की एकजुटता को दर्शाता है, खासकर ईरानी हमलों के बाद।

नशीली दवा रैकेट की जांच तेज, भालोटिया मंडी से जुड़े तार खंगाल रही पुलिस

गोरखपुर, एजेंसी। महाराजगंज जिले में पकड़े गए नशीली दवा रैकेट के तार अब पूर्वी यूपी की चर्चित थोक दवा मंडी भालोटिया से जुड़ते नजर आ रहे हैं। ड्रग विभाग और पुलिस की संयुक्त पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने इस संबंध में अहम जानकारी दी है। उनके बयान और मोबाइल लोकेशन भी भालोटिया मंडी तक पहुंच की पुष्टि कर रहे हैं, हालांकि अब तक ठोस साक्ष्य हाथ नहीं लग सके हैं।

दरअसल, महाराजगंज में कार्रवाई के दौरान करीब 5700 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए थे। इस मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों ने बताया कि भालोटिया मार्केट स्थित एक दुकान के दो कर्मचारियों ने उन्हें यह खेप उपलब्ध कराई थी। आरोपियों के बयान के आधार पर शुक्रवार को पुलिस और ड्रग विभाग की टीम ने मंडी की एक थोक दुकान पर छापा मारा। जांच के दौरान संबंधित बैच नंबर के इंजेक्शन दुकान में नहीं मिले और न ही उसकी खरीद-बिक्री से जुड़े कोई रिकॉर्ड उपलब्ध हुए। ठोस साक्ष्य न मिलने से जांच टीम को झटका जरूर लगा लेकिन जांच का दायरा और व्यापक कर दिया गया है।

सहायक आयुक्त औषधि संदीप गुप्ता ने बताया कि जांच जारी है और महाराजगंज से मिली कड़ियों को जोड़कर पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

गैस एजेंसी संचालक ने जनप्रतिनिधि पर धमकी और दबाव बनाने का लगाया आरोप

गोरखपुर, एजेंसी । शहर में एक गैस एजेंसी संचालक ने स्थानीय जनप्रतिनिधि और उनके बेटे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सूरज गैस एजेंसी के संचालक पीके सिंह ने डीएम को दी शिकायत में बताया कि 18 अप्रैल की शाम करीब 5:30 बजे वह अपने कार्यालय में ग्राहकों के कार्य निपटा रहे थे, तभी एक व्यक्ति बंद पड़े एलपीजी कनेक्शन को बिना जरूरी दस्तावेज के चालू कराने के लिए कर्मचारियों पर दबाव बनाने लगा। कर्मचारियों की ओर से नियमों का हवाला देकर आवश्यक कागजात मांगे जाने पर उक्त व्यक्ति नाराज हो गया। आरोप है कि कुछ ही देर बाद एक जनप्रतिनिधि अपने गनर और 12-15 समर्थकों के साथ एजेंसी पर पहुंच गए। वहां पहुंचते ही उन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए एजेंसी बंद कराने की धमकी दी। पीके सिंह के अनुसार, विरोध करने पर जनप्रतिनिधि ने उन पर हाथ उठाने की कोशिश की। हालांकि मौके पर मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली। संचालक का यह भी आरोप है कि उन पर जबरन कनेक्शन ट्रांसफर करने और पांच भरे सिलिंडर घर पहुंचाने का दबाव बनाया गया, साथ ही जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सफाईकर्मी की पिटाई, निगमकर्मियों का थाने में हंगामा

मेरठ, एजेंसी। परतापुर के गगोल सड़क पर शनिवार सुबह चार युवकों ने एक सफाईकर्मी की पिटाई की। इस घटना के बाद निगमकर्मियों ने परतापुर थाने में हंगामा किया। पीड़ित सफाईकर्मी सचिन ने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। सचिन ने बताया कि ड्यूटी जाते समय गुड्डू और उसके दोस्तों ने उसे रोका। उन्होंने लाठी-डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई की। आरोपी उसे अधमरी हालत में छोड़कर भाग निकले। निगम कर्मी तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर थाने में धरने पर बैठ गए। थाना प्रभारी अजय शुक्ला ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। सुपरवाइजर आशीष ने जाति सूचक शब्दों के प्रयोग को गलत बताया। उन्होंने कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। सीओ सौम्या अस्थाना ने बताया कि तहरीर पर कार्रवाई हो रही है। आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

टायर ऑयल फैक्टरी में लगी भीषण आग, आसमान छूने लगीं लपटें, लाखों का माल जलकर राख

कानपुर, एजेंसी। कानपुर देहात में गजनेर थाना क्षेत्र के बिलसराया गांव स्थित टायर पिघलाकर ऑयल निकालने वाली एक फैक्टरी में शनिवार देर रात करीब 12 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते लपटें आसमान छूने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भयावह थी कि उसकी लपटें काफी दूर तक दिखाई दे रही थीं। फैक्टरी में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर किया गया। थानाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर तत्काल माती अग्निशमन केंद्र से दमकल की गाड़ियां बुलवाई गईं। दमकल कर्मी देर रात तक आग बुझाने में जुटे रहे।

आग से भारी नुकसान होने की आशंका: फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट या फैक्टरी में रखे ज्वलनशील पदार्थों से आग भड़कने की जताई जा रही है। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। आग से फैक्टरी को भारी नुकसान होने की आशंका है। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा को रौंदा, एक की मौत और चार गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती

कानपुर, एजेंसी। कन्नौज जिले के सौरिख थाना क्षेत्र में रविवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे नादेमऊ रोड पर ग्राम नगला पसा के सामने दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के तीन खंड हो गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सभी लोग आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से नीचे उतरकर ई-रिक्शा के जरिए अपने-अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में अमित प्रताप सिंह (27) पुत्र अमरेश सिंह निवासी बिलंदपुर, थाना सौरिख गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे में ये हुए हैं घायल: घायलों में विशाल (22) पुत्र वेद प्रकाश निवासी मलिकपुर, सुनीता देवी (53) पत्नी विनोद सिंह निवासी श्यामपुर भटपुरा थाना नवीगंज, जिला मैनपुरी और ई-रिक्शा चालक अली हैदर (55) पुत्र नूर मोहम्मद निवासी अंबेडकर नगर सौरिख शामिल हैं। उनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरिख में भर्ती कराया गया। वहीं दूसरी एंबुलेंस से सीधे कन्हैया पाल निवासी भदौरियन पुरवा को मिनी पीजीआई सैफई में भर्ती कराया गया है।

बीआरडी में कैंसर मरीजों को राहत, जल्द शुरू होगी रेडियोथेरेपी सेवा

गोरखपुर, एजेंसी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज कराने वाले कैंसर मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। रेडियोथेरेपी विभाग की कोबाल्ट मशीन की मरम्मत जल्द पूरी होने की उम्मीद है, जिसके बाद मरीजों की सेंकाई फिर से शुरू हो सकेगी। मामले की जानकारी मिलते ही चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने हस्तक्षेप किया। उनके निर्देश पर लंबित अनुरक्षण भुगतान तत्काल जारी कर दिया गया। बताया जा रहा है कि शनिवार को ही मरम्मत करने वाली कंपनी के खाते में बकाया रकम भेज दी गई। इसके बाद कंपनी से संपर्क कर मशीन को प्राथमिकता पर ठीक करने का अनुरोध किया गया है। दरअसल, मुंबई की पैनेशिया टेक्नोलॉजी कंपनी को मशीन के रखरखाव की जिम्मेदारी दी गई थी। वर्ष 2025 से भुगतान न होने के कारण करीब 14 लाख रुपये बकाया हो गए थे।

सिहावल में सामूहिक विवाह: निकाह समारोह
83 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, 6 निकाह संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत प्रांगण सिहावल में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह एवं निकाह समारोह सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ कार्यक्रम में 83 जोड़ों का विवाह एवं 6 जोड़ों का निकाह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ विवाह संपन्न कराए गए। पूरे आयोजन में पारंपरिक उल्लास सांस्कृतिक गरिमा एवं सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सभी नवदंपत्तियों को शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली 49-49 हजार रुपए की सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। सांसद डॉ. मिश्रा ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना समाज के कमजोर एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाह जैसे महत्वपूर्ण संस्कार को सम्मानजनक और सहज बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवदंपत्तियों से आह्वान किया कि वे नशामुक्त जीवन अपनाएं, परिवार की जिम्मेदारियों को समझें और आपसी प्रेम विश्वास एवं संस्कारों के साथ अपने जीवन की नई शुरुआत करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाई जा रही योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, जिससे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बल मिल रहा है विधायक सिहावल पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह एवं निकाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी और अभिनव पहल है पहले जहां बेटियों के विवाह को लेकर परिवारों में चिंता रहती थी वहीं अब इस योजना ने उस चिंता को काफी हद तक दूर किया है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे इसी सोच के साथ सरकार कार्य कर रही है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कानून एवं संविधान के दायरे में रहकर अपने जीवन को आगे बढ़ाएं और शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक समरसता भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है बल्कि समाज में समानता और गरिमा का संदेश भी देती है। उन्होंने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे अपने वैवाहिक जीवन को प्रेम समझदारी और आपसी सहयोग से आगे बढ़ाएं तथा समाज के लिए प्रेरणा बनें। जनगणना 2027: सीधी जिला जनगणना के लिए पूरी तरह तैयार है मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना अंतर्गत सिहावल में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा जनगणना 2027 की शपथ दिलाई गई इस अवसर पर नवदंपत्तियों सहित उपस्थित सभी नागरिकों ने जनगणना की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

एनसीएल जयंत हेडक्वार्टर के पास जंगल में लगी आग एक किमी से ज्यादा क्षेत्र प्रभावित अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जयंत क्षेत्र में नॉर्दर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एनसीएल) के हेडक्वार्टर से सटे जंगल में भीषण आग लग गई। आग घने पेड़ों वाले इलाके में तेजी से फैली और एक किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। इससे बड़ी संख्या में पेड़ जलकर नष्ट हो गए और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है शरारती तत्वों पर संदेह प्राथमिक जानकारी के अनुसार आग अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा लगाई गई बताई जा रही है आग लगने का सटीक समय स्पष्ट नहीं है लेकिन दोपहर करीब 3 बजे तक यह काफी फैल चुकी थी स्थानीय लोगों का आरोप है कि आग लगने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी समय पर मौके पर नहीं पहुंचे और न ही आग बुझाने के लिए तुरंत ठोस प्रयास किए गए जिससे आग लगातार फैलती रही प्रबंधन ने कार्रवाई का दिया आश्वासन गौरतलब है कि एनसीएल हर साल बड़े पैमाने पर पौधारोपण का दावा करती है, लेकिन इस घटना के बाद पेड़ों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं इस मामले में एनसीएल के जनसंपर्क अधिकारी रामविजय सिंह ने बताया कि संभवत किसी शरारती तत्व ने आग लगाई है उन्होंने कहा कि जयंत प्रबंधन से जानकारी लेकर जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से हुई मनीषा के गृहस्थ जीवन की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना प्रदेश सरकार की एक अनूठी एवं जनकल्याणकारी पहल है जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह गरिमामय और धूमधाम से संपन्न कराया जा रहा है इस योजना के तहत न केवल बेटियों के विवाह की व्यवस्था की जाती है बल्कि उन्हें गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सामग्री हेतु आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है इससे एक ओर बेटियों के सपनों को साकार होने का अवसर मिलता है वहीं दूसरी ओर माता-पिता की वर्षों पुरानी चिंता भी दूर हो रही है इसी क्रम में सीधी जिले के सिहावल में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में ग्राम लौआ निवासी मनीषा साकेत का विवाह भी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत संपन्न हुआ मनीषा बताती हैं कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है।

और आय के सीमित साधनों के कारण उनके पिता को उनकी शादी की चिंता हमेशा बनी रहती थी उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से उनका विवाह पूरे रीति-रिवाजों और सम्मानजनक ढंग से संपन्न हुआ जिससे उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है मनीषा ने कहा कि अब वे अपने गृहस्थ जीवन की नई शुरुआत आत्मविश्वास और खुशी के साथ कर रही हैं मनीषा और उनके परिवार ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे कई परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है जिससे बेटियों के विवाह की चिंता समाप्त हो रही है और वे सम्मानपूर्वक अपने नए जीवन की शुरुआत कर पा रही हैं।

पिकअप ने बाइक सवारों को रौंदा, दूसरा गंभीर घायल ड्राइवर फरार; आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन एक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया अमिलिया-चुरहट मार्ग पर डिहुली पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर ही तोड़ा दम, एक की हालत गंभीर मृतक की पहचान डिहुली निवासी संतोष शुक्ला के रूप में हुई है वह घर से बाजार सामान लेने जा रहे थे तभी हादसा हुआ टक्कर इतनी भीषण थी कि संतोष ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दूसरे घायल युवक को एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमिलिया पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उसकी पहचान नहीं हो सकी है चालक फरार पुलिस तलाश में जुटी हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही अमिलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है मृतक की पत्नी रानी ने कहा कि जब तक आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती तब तक वे शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जाने देंगे मौके पर कुछ देर तनाव की स्थिति बनी रही।

कलेक्टर बोले मैं अधिकारी नहीं आपका नौकर हूं ,महिला के सामने हाथ जोड़ते हुए कहा मालिक आप लोग हैं बसंती बाई मुस्कुराते हुए गईं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे कलेक्टर विकास मिश्रा खुद लोगों की समस्याएं सुन रहे थे बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे कलेक्टर विकास मिश्रा खुद लोगों की समस्याएं सुन रहे थे सीधी जिले के मझौली जनपद पंचायत के ग्राम नेबूहा में शनिवार को जन समस्या समाधान शिविर लगा था शाम करीब 4 बजे हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में काफी भीड़ थी। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे कलेक्टर विकास मिश्रा खुद लोगों की समस्याएं सुन रहे थे इसी दौरान ग्राम पंचायत की पंच ललिता सेन आगे आईं उन्होंने सरपंच बसंती कोल के खिलाफ शिकायत की कलेक्टर ने समस्या सुनकर उसके निराकरण का आश्वासन दिया इस पर पंच ने उन्हें धन्यवाद दिया तो कलेक्टर ने कहा- मैं तो आपका नौकर हूं मालिक आप लोग हैं शिकायत पर कलेक्टर ने जांच का भरोसा दिया पंच ललिता सेन ने सरपंच और सचिव पर मनमाने तरीके से काम करने और राशि के आहरण में गड़बड़ी का आरोप भी लगाया। शिकायत में कहा कि पंचायत में नियमित ग्राम सभाएं और बैठकें नहीं होतीं। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शिकायत को गंभीरता से सुना और जांच का भरोसा दियाशिकायत के बाद माहौल थोड़ा गंभीर था महिला पंच ने कलेक्टर को धन्यवाद दिया। तभी कलेक्टर ने हाथ जोड़कर कह मैं अधिकारी नहीं, आपका नौकर हूं मालिक आप लोग हैं यह सुनकर वहां मौजूद लोग चौंक गए। बसंती बाई मुस्कुराईं और वहां से चली गईं कलेक्टर बोले- आपसी मतभेद भुलाकर काम करें पंच ललिता सेन की शिकायत और आरोपों को सरपंच बसंती कोल ने निराधार बताया उन्होंने कहा कि वह नियमित रूप से पंचायत में मौजूद रहती हैं सभी काम पारदर्शिता के साथ किए जाते हैं हालात को शांतिपूर्ण ढंग से संभालते हुए कलेक्टर ने दोनों पक्षों के बीच मौके पर ही सुलह कराई उन्होंने महिला पंच और सरपंच से हाथ मिलवाते हुए कहा कि आपसी मतभेद भुलाकर गांव के विकास के लिए मिलकर काम करना ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

बैंक डकैती: 15 लाख नकद और 61 ग्राम सोना बरामद पुलिस कोच में रखे थी नजर एक आरोपी बिहार से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में बैढ़न स्थित बैंक शाखा में हुई डकैती के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है वारदात में शामिल एक आरोपी कमलेश कुमार को बिहार के डेहरी ऑन सोन स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गिरफ्तार किया है गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 15 लाख 72 हजार रुपए नकद और 61 ग्राम सोना बरामद किया गया है बरामद सोने की अनुमानित कीमत करीब 9 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी कमलेश कुमार बिहार के नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्वाल बिगहा गांव का निवासी है आरपीएफ प्रभारी रामविलास ने बताया कि सिंगरौली से पटना जा रही सिंगरौली एक्सप्रेस ट्रेन में तैनात सिपाही उमाकांत और मोहम्मद नजर ने एक संदिग्ध युवक को देखा। युवक का हुलिया सिंगरौली डकैती कांड के आरोपियों से मेल खा रहा था। इस पर तत्काल आरपीएफ प्रभारी को सूचना दी गई आरोपी पर रखी गई नजर प्रभारी के निर्देश पर टीम ने अगले स्टेशन तक युवक पर लगातार नजर रखी। जैसे ही ट्रेन डेहरी ऑन सोन स्टेशन पहुंची, पहले से मौजूद आरपीएफ टीम ने उसे हिरासत में ले लिया और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद बैग से बड़ी मात्रा में नकदी और सोना बरामद हुआ शुरुआती पूछताछ में आरोपी कमलेश कुमार ने गोलमोल जवाब दिए, लेकिन सख्ती बरतने पर उसने सिंगरौली में हुई बैंक डकैती में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली आरोपी ने बताया कि वारदात के बाद उसे अपने हिस्से का पैसा और सोना मिला था जिसे लेकर वह अपने गांव जा रहा था पांच आरोपी पूरी जानकारी थी पुलिस के अनुसार इस डकैती में कुल पांच आरोपी शामिल थे जिन्होंने पूरी योजना के तहत बैंक को निशाना बनाया था आरोपियों को बैंक की संरचना और लॉकर व्यवस्था की पहले से जानकारी थी। फिलहाल पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पुराने वाहनों, प्रदूषण, नशे में ड्राइविंग पर जीरो टॉलरेंस लागू
सिंगरौली में बिना लाइसेंस और ओवरलोडिंग पर होगी सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए प्रशासन ने आदर्श परिवहन मॉडल लागू किया है। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर तैयार इस योजना में 10 प्रमुख बिंदुओं पर सख्ती से काम किया जाएगा योजना के तहत 15 साल से अधिक पुराने वाहनों पर नियंत्रण रखा जाएगा। साथ ही प्रदूषण जांच (PUC) वाहन फिटनेस परमिट और बीमा की नियमित जांच की जाएगी बिना लाइसेंस और नशे में ड्राइविंग पर कार्रवाई बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है गति सीमा का पालन कराने के लिए प्रशासन स्पीड गन और कैमरों की मदद लेगा, ताकि नियम तोड़ने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके बस-ऑटो के रूट तय, ओवरलोडिंग पर रोक शहर में सार्वजनिक परिवहन को व्यवस्थित करने के लिए बसों और ऑटो के लिए तय रूट और स्टॉप निर्धारित किए जाएंगे ओवरलोडिंग और बिना तिरपाल के माल ढोने पर पूरी तरह रोक रहेगी सरिया और कबाड़ जैसे खतरनाक सामान खुले में ले जाने वाले छोटे वाहनों पर भी खास नजर रखी जाएगी प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर सख्ती प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई तेज की जाएगी। बिना फिटनेस वाले वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं होगी दुर्घटनाएं कम करने और भरोसा बढ़ाने पर जोर प्रशासन का मानना है कि इस योजना के लागू होने से सड़क दुर्घटनाएं कम होंगी, प्रदूषण घटेगा और लोगों का भरोसा बढ़ेगा अधिकारियों को नियमित निगरानी और अनुशासन के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने सिंगरौली को न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश का आदर्श परिवहन जिला बनाने का लक्ष्य तय किया है।

सोन नदी में अवैध रेत उत्खनन: 9 हाईवा जब्त आधी रात छापा, संजय टाइगर रिजर्व टीम ने लिया एक्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है सोन घड़ियाल अभयारण्य की टीम ने संजय टाइगर रिजर्व के उपसंचालक के नेतृत्व में कुबरी घाट पर देर रात छापा मारा इस दौरान रेत से लदे 9 हाईवा और ट्रक जब्त किए गए यह कार्रवाई सीधी और मैहर जिले की सीमा से जुड़े क्षेत्र में हुई, जहां लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का खेल चल रहा था। टीम ने रात करीब 12 बजे से सुबह 5 बजे तक लगातार कार्रवाई की कई वाहन मौके से लेकर भागे माफिया छापेमारी के दौरान मौके पर मौजूद रेत माफिया में अफरा-तफरी मच गई। कई वाहन चालक और माफिया जेसीबी मशीन सहित लगभग आधा दर्जन वाहनों को मौके से भगाने में सफल रहे। हालांकि, 9 रेत से लदे हाईवा और ट्रक टीम के हाथ लग गए जब्त किए गए इन वाहनों को सीधी जिले के जमोड़ी स्थित काष्ठागार में खड़ा कर दिया गया है रविवार दोपहर 12 बजे तक यह प्रक्रिया पूरी कर ली गई यह कार्रवाई सोन घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है पुख्ता सूचना मिलने पर लिया एक्शन संजय टाइगर रिजर्व के डीएफओ राजेश कन्नाटी ने बताया कि उनकी टीम कई दिनों से लगातार औचक निरीक्षण कर रही थी। पुख्ता सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है पकड़े गए सभी वाहनों को राजसात (जब्ती) करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन वाहनों को सोन नदी के भीतर से पकड़ा गया है इसलिए इन्हें छुड़ाना लगभग नामुमकिन है।

घर के पीछे फंदे पर लटका मिला अधेड़ का शव कहा-सबूत मिटाने के लिए फांसी पर लटकाया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के पनिहा गांव में एक 56 वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका मिला है मृतक की पहचान बिहारी लाल गुप्ता के रूप में हुई है उनका शव घर के पीछे पाया गया घटना की सूचना पर पथरौला पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या मान रही थी लेकिन मृतक के परिजनों ने इस पर सवाल उठाए हैं मृतक के बेटे रामस्वरूप गुप्ता ने आरोप लगाया है कि उनके पिता की हत्या की गई है और बाद में सबूत मिटाने के लिए शव को फंदे पर लटकाया गया हालांकि उसने किसी भी व्यक्ति के ऊपर आशंका जाहिर नहीं की है पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है अधिकारियों ने बताया कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो पाएगा चौकी प्रभारी देवराज सिंह ने जानकारी दी कि पुलिस टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई थी उन्होंने कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या है या हत्या लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।

युद्धविराम पर संशय, कभी ईरान अपनी जिद पर अड़ता है तो कभी अमेरिका

संपादकीय

ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने की घोषणा के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखने पर इसे फिर बंद कर दिया। इससे पश्चिम एशिया में युद्धविराम पर संशय गहरा गया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट बढ़ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री की ओर से होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने की घोषणा को 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि ईरानी सेना ने उस पर फिर से अपना पहरा बैठाने का फैसला कर लिया। उसने इस कारण होर्मुज को फिर से बंद करने का फैसला किया, क्योंकि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखने पर अड़ा है। साफ है कि पश्चिम एशिया संकट के मामले में कभी ईरान अपनी जिद पर अड़ता है तो कभी अमेरिका।

जब युद्धविराम की शर्तों के तहत होर्मुज खोलने पर सहमति बन गई थी और उसका दायरा लेबनान तक प्रभावी हो जाने के बाद ईरान ने इस समुद्री मार्ग को पूरी तरह खोलने की घोषणा कर दी थी तो फिर अमेरिका को भी ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के अपने फैसले से पीछे हट जाना चाहिए था। तब तो और भी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के फैसले का स्वागत किया और दोनों देश दूसरे दौर की शांति वार्ता करने की संभावनाएं भी टटोल रहे हैं।

यह अमेरिका और ईरान के साथ पश्चिम एशिया के लिए ही आवश्यक नहीं है कि दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी रूप दिया जाए, बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी आवश्यक है, क्योंकि होर्मुज के बाधित होने के कारण विश्व भर में ऊर्जा संकट गहरा रहा है। वैसे तो इस समुद्री मार्ग के बाधित होने से सबसे अधिक भारत और अन्य एशियाई देश प्रभावित होते हैं, लेकिन इस मार्ग से तेल और गैस की आपूर्ति में कमी आने के नतीजे में उनके दाम बढ़ने का असर पूरे विश्व पर पड़ता है।

यह ठीक है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की अनुमति एक माह के लिए और बढ़ा दी, लेकिन आखिर वह यह तय करने वाला होता कौन है कि किस देश से तेल-गैस खरीदा जा सकता है? अमेरिका अपने स्वार्थों के चलते किसी न किसी ऊर्जा संपन्न देश पर प्रतिबंध लगाता ही रहता है। ईरान, वेनेजुएला और रूस इसके उदाहरण हैं। इसके दुष्परिणाम संबंधित देश के साथ अन्य देश भी भोगते हैं। अमेरिका यह जो मनमानी करता है, उसे चुनौती दी जानी आवश्यक है। यह अच्छा है कि भारत रूस से तेल खरीद मामले में अमेरिका के रवैये की परवाह नहीं कर रहा है। भारत को न केवल अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाने चाहिए, बल्कि खुद को आर्थिक रूप से इतना सक्षम भी बनाना चाहिए कि अमेरिका किसी तरह का अनुचित दबाव न डालने पाए। अमेरिका और ईरान के बीच लागू अस्थायी युद्धविराम की अवधि जैसे-जैसे करीब आ रही है, उसके स्थायी रूप लेने पर वैसे-वैसे संशय बढ़ रहा है।

सहानुभूति का स्क्रिप्टेड संग्राम

डॉ. सत्यवान सौरभ

(हिसार की घटना और राजनीति का नया रंगमंच)

हिसार की सड़कों पर जो कुछ हुआ, वह एक साधारण टकराव भर नहीं था; वह हमारे समय की राजनीति की जटिलताओं का एक जीवंत दृश्य था, जिसमें भावनाएं, सत्ता, पुलिसिया रवैया और जनमानस–सब एक साथ उलझे हुए दिखाई देते हैं। पूर्व डिप्टी सीएम और एक पुलिस इंस्पेक्टर के बीच का विवाद अब केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रहा, बल्कि यह एक बड़े राजनीतिक विमर्श में बदल चुका है। इस पूरे घटनाक्रम को जिस तरह सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पेश किया जा रहा है, वह यह संकेत देता है कि आज की राजनीति में घटनाएं जितनी महत्वपूर्ण नहीं होतीं, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उनका प्रस्तुतिकरण होता है। सवाल यह नहीं रह जाता कि हुआ क्या, बल्कि यह बन जाता है कि दिखाया क्या जा रहा है और उससे कौन-सा भाव पैदा किया जा रहा है।

आज के दौर में सहानुभूति सबसे बड़ा राजनीतिक पूंजी बन चुकी है। चुनावी गणित में आंकड़े जितने मायने रखते हैं, उससे कहीं अधिक असर भावनाओं का होता है। यही कारण है कि अक्सर छोटी-छोटी घटनाओं को इस तरह से उभारा जाता है कि वे एक बड़े अन्याय या संघर्ष का प्रतीक बन जाएं। हिसार की यह घटना भी कुछ इसी दिशा में जाती प्रतीत होती है, जहां एक टकराव को 'पीड़ित बनाम तंत्र' के नैरेटिव में ढालने की कोशिश नजर आती है। वीडियो क्लिप्स के आधार पर लोग अपने-अपने निष्कर्ष निकाल रहे हैं–कहीं इंस्पेक्टर का व्यवहार आक्रामक दिखता है, तो कहीं राजनीतिक पक्ष की प्रतिक्रिया उत्तेजित नजर आती है। लेकिन इन टुकड़ों में बंटी तस्वीर के आधार पर पूरी सच्चाई का आकलन करना न केवल मुश्किल है, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि अधूरी जानकारी अक्सर गलत धारणा को जन्म देती है।

यह समझना जरूरी है कि राजनीति में हर घटना का एक 'पोस्ट-इवेंट लाइफ' होता है–यानी घटना के बाद उसे किस तरह से भुनाया जाता है। कई बार घटनाएं स्वतः घटित होती हैं, लेकिन उनके बाद जो नैरेटिव गढ़ा जाता है, वह पूरी तरह से रणनीतिक होता है। हिसार की घटना में भी यही सवाल उठता है कि क्या यह केवल एक आकस्मिक टकराव था, या फिर इसे एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर हम पिछले राजनीतिक घटनाक्रमों को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि सत्ता से दूरी बनने के बाद नेताओं द्वारा 'पीड़ित' की छवि गढ़ना एक सामान्य रणनीति बन चुकी है। कल तक जो सत्ता के साथ खड़ा था, आज वही सत्ता के खिलाफ खड़ा होकर जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करता है। यह राजनीति का नया नहीं, बल्कि परखा हुआ फार्मूला है।

हालांकि, इस पूरी बहस में पुलिस की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर वीडियो में दिख रहा व्यवहार सही है, तो यह निश्चित रूप से पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस का काम कानून लागू करना है, न कि अपनी व्यक्तिगत या संस्थागत शक्ति का प्रदर्शन करना। जब पुलिस का रवैया आक्रामक या पक्षपाती नजर आता है, तो जनता के बीच पहले से मौजूद अविश्वास और गहरा हो जाता है। लेकिन इसी के साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी जनप्रतिनिधि या राजनीतिक कार्यकर्ता को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। अगर किसी नेता या उसके समर्थकों द्वारा भी अनुचित व्यवहार किया गया है, तो उसे भी उतनी ही गंभीरता से देखा जाना चाहिए।

यही वह बिंदु है जहां यह पूरा मामला 'नेता बनाम इंस्पेक्टर' की सीमाओं से बाहर निकलकर 'सिस्टम बनाम सच्चाई' की लड़ाई में बदल जाता है। इस लड़ाई में सबसे बड़ा खतरा यह है कि सच्चाई कहीं बीच में दबकर रह जाती है और उसके स्थान पर भावनाएं हावी हो जाती हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में हर व्यक्ति खुद को विश्लेषक मान बैठा है, और हर वीडियो क्लिप एक 'सबूत' बन जाती है। लेकिन यह भूल जाना आसान है कि हर वीडियो का एक संदर्भ होता है, एक पृष्ठभूमि होती है, जो अक्सर कैमरे में कैद नहीं होती।

आज का समाज तेजी से 'इंस्टेंट जजमेंट' की ओर बढ़ रहा है, जहां फैसले तथ्यों के आधार पर नहीं, बल्कि भावनाओं के आधार पर लिए जाते हैं। पुलिस के प्रति पहले से ही लोगों में एक तरह का गुस्सा है, जो कई बार उचित भी होता है।

बदलता मतदाता

बदलती राजनीति- लोकतांत्रिक संघर्ष, नीतिगत अनिश्चितता व जनता क़ा मनोविज्ञान

आज का नागरिक व मतदाता सरकार के कार्यों का मूल्यांकन, उनके पीछे की नीतिगत मंशा, समय –निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है? जनता अब केवल क्या हुआ पर नहीं,बल्कि कैसे और क्यों हुआ' पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक नई चुनौती बनती जा रही है वैश्विक स्तरपर डिजिटल युग में भारतीय मतदाता का व्यवहार अब केवल भावनात्मक या परंपरागत नहीं रह गया है, बल्कि अत्यंत विश्लेषणात्मक और परिणाम- आधारित हो चुका है।आज का नागरिक न केवल सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करता है,बल्कि उनके पीछे की नीतिगत मंशा,समय-निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है।यही कारण है कि यदि कोई सरकार दस अच्छे काम करती है और एक निर्णय जनता की अपेक्षाओं के विपरीत जाता है, तो उस एक निर्णय का प्रभाव शेष उपलब्धियों पर भारी पड़ सकता है।

एडवोकेट किशन सनमुदास भावनानी - 16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम का समग्र वैश्विक विश्लेषण

16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी नई राजनीतिक चेतना को उजागर किया है,जहाँ जनता केवल परिणाम नहीं बल्कि प्रक्रिया की वैधताऔर पारदर्शिता को भी परख रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि 16-17 अप्रैल 2026 के दो दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गए।एक ओर नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जिसपर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होकर पहले अधिनियम बन चुका था उसको 16 अप्रैल 2026 कोआधी रात में लागू करने की अधिसूचना जारी की गई,वहीं दूसरी ओर संसदीय प्रक्रिया के तहत रूल 66 को निलंबित कर तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एक साथ जोड़कर पारित करने का प्रयास किया गया।लोकसभा में कुल 528 सांसदों ने मतदान किया, जिसमें पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े, लेकिन दो- तिहाई बहुमत की

आवश्यकता के कारण यह विधेयक 54 मतों से गिर गया। यह केवल एक विधायी असफलता नहीं थी,बल्कि यह राजनीतिक रणनीति,संवैधानिक प्रक्रिया और वैचारिक मतभेदों के बीच गहरे संघर्ष का प्रतीक बन गया।

साथियों बात अगर हम जनता के मन में उठते सवालः पारदर्शिता बनाम राजनीतिक रणनीति को समझने की करें तो, इस घटनाक्रम के बाद जनता के मन में कई महत्वपूर्ण प्रश्न उभर कर सामने आए। यदि 2023 में ही राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल चुकी थी,तो इसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया गया? महिला आरक्षण के मुद्दे पर जब पूरे विपक्ष की व्यापक सहमति थी,तो उसे परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने जैसे विवादित मुद्दों के साथ क्यों जोड़ा गया?इन प्रश्नों ने यह संकेत दिया कि जनता अब केवल क्या हुआ पर नहीं, बल्कि कैसे और क्यों हुआ' पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक सटीक रूप से नई चुनौती बनती जा रही है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत क़ी आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टिः नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफ़ाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फ्लेज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञानः अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में बहुत तेजी से गिरावट तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक निर्णयों की विश्वसनीयता पर प्रश्न इसको समझने की करें तो सरकार द्वारा आधी रात में अधिनियम लागू करना, संसदीय नियमों को निलंबित करना और कई विधेयकों को एक साथ जोड़ना ये सभी कदम विपक्ष के लिए सीमित विकल्प छोड़ते हैं। हालांकि यह रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी हो सकता है,लेकिन इससे सरकार की नीतिगत

पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न भी लग सकता है?वैश्विक निवेशक ऐसे संकेतों को 'नीतिगत जोखिम' (पॉलिसी रिस्क) के रूप में देखते हैं,जो दीर्घकालिक निवेश निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास का संबंध इसको समझने की करें तो जमीनी स्तरपर यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि राजनीतिक सशक्तिकरण से सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में सुधार होता है, जिससे समग्र आर्थिक विकास को गति मिलती है।

साथियों बात अगर हम भारत में महिला श्रम भागीदारी दर के दृष्टिकोण से देखें तो इसमें वृद्धि हुई है,लेकिन यह अभी भी पुरुषों की तुलना में काफी कम है। यदि इस अंतर को कम किया जाए,तो आर्थिक विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में 50 प्रतिशत तक सुधार किया जाए, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर में प्रति वर्ष लगभग 1 प्रतिशत अंक की वृद्धि हो सकती है। वर्तमान में लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह लगभग 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य है।यह आँकड़ा यह दर्शाता है कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं, बल्कि एक ठोस आर्थिक रणनीति भी है। साथियों बात अगर हम राजनीतिक अस्थिरता और निवेशक विश्वास को समझने की करें तो भारत विजन 2047 की तरफ कदम बढ़ा चुका है, 17 अप्रैल 2026 को विधेयक का गिरना विदेशी निवेशकों के लिए एक चेतावनी संकेत के रूप में देखा जा सकता है।आमतौर पर निवेशक स्थिर और मजबूत सरकारों को प्राथमिकता देते हैं, जहाँ नीतिगत निर्णय तेजी से और स्पष्ट रूप से लागू किए जा सकें।हालांकि, यदि सरकार अन्य आर्थिक सुधारों को जारी रखती है, तो यह नकारात्मक प्रभाव दीर्घकाल में सीमित भी रह सकता है।

साथियों बात अगर हम क्विक-कॉमर्स बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्थाः नया आर्थिक संघर्ष इसको समझने की करें तो, भारत की अर्थव्यवस्था इस समय एक दिलचस्प द्वंद्व से गुजर रही है, एक ओर तेजी से बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम है,और दूसरी ओर पारंपरिक किराना और खुदरा नेटवर्क।जेप्टो , ब्लाइंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने बाजार में तेज प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इन कंपनियों के खिलाफ चिंता जताई है कि उनकी आक्रामक मूल्य निर्धारण रणनीति पारंपरिक व्यवसायों को नुकसान पहुँचा रही है।आईपीओ और निवेशकों के लिए जोखिम की स्थिति यह है कि यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह खुदरा निवेशकों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। बाजार में यदि बबल बनता है और वह फूटता है, तो इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है।इससे न केवल निवेशकों का विश्वास प्रभावित होगा, बल्कि भारत की नियामक साख पर भी प्रश्न उठ सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और भविष्य की दिशा,16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल आर्थिक नहीं,बल्किलोकतांत्रिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। यहाँ एक ओर तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, तो दूसरी ओर जटिल राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियाँ भी हैं।यदि सरकार पारदर्शिता, सहमति और स्थिरता को प्राथमिकता देती है, तो यह स्थिति भारत के लिए एक अवसर बन सकती है। अन्यथा, नीतिगत अनिश्चितता और राजनीतिक अस्थिरता निवेशकों के विश्वास को कमजोर कर सकती है।इसलिए, भारत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वहलोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है,क्योंकि आज का मतदाता और निवेशक दोनों ही अधिक जागरूक,अधिक विश्लेषणात्मक और अधिक मांग करने वाले हो चुके हैं। (-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

कोविड 19: जख्मों पर मरहम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

ईजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के बीच अहम खबर दबकर रह गई। ये खबर जुड़ी है सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से जो कोविड-19 को लेकर दिया गया है। कुछ दिनों पहले ही याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में 'दोष तय किए बिना मुआवजा देने की नीति' तैयार की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई टीकाकरण कार्यक्रम राज्य द्वारा संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के रूप में चलाया जाता है, तो सरकार उन परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती जो टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर दुष्प्रभावों का आरोप लगाते हैं।

मुस्ताअली बोहरा

अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद कुछ मौतें हुई हैं, इसलिए प्रभावित परिवारों को बिना किसी राहत व्यवस्था के नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) को केवल गलती या लापरवाही के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर प्रतिकूल प्रभावों के लिए 'नो-फॉल्ट मुआवजा नीति' तैयार करे। यह आदेश रचना गांगू बनाम भारत संघ समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिन्हें उन परिवारों ने दायर किया था जिन्होंने टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान चलाया गया टीकाकरण कार्यक्रम राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा था और इससे कई लोगों की जान बची। लेकिन यदि सरकारी डेटा यह दिखाता है कि कुछ लोगों की मौत या गंभीर दुष्प्रभाव हुए हैं, तो राज्य इससे पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। कोर्ट में याचिकाकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय शोधों का हवाला देते हुए कहा था कि एस्ट्राजेनेका प्लेटफॉर्म (जिसका भारतीय संस्करण कोविशील्ड है) से दुर्लभ रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं के मामले सामने आए हैं और इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलने वाले टीकाकरण कार्यक्रमों में वैज्ञानिक रूप से यह साबित करना कि नुकसान किस कारण हुआ, अक्सर जटिल होता है। ऐसे में केवल लापरवाही साबित करने पर आधारित कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होते, क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी बोझ पड़ता है और परिणाम असंगत हो सकते हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे कई देशों में वैक्सीन से जुड़े दुष्प्रभावों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा योजना मौजूद है, जिससे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता मिल जाती है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सन 2022 में कोर्ट में दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे में कहा था कि टीकाकरण स्वैच्छिक था और लोगों ने जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था, इसलिए सरकार मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। सरकार के अनुसार लोगों ने संभावित जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था। पाठकों को याद होगा जब भी कोविड वैक्सीन

के विपरीत प्रभाव के कारण मौतों की खबर सामने आ रही थी तब सरकार की ओर से कभी जिम तो कभी डांस को मौत का कारण बता दिया जाता था। या फिर कभी किसी मृतक की पुरानी बीमारी जैसे हार्ट डिसीस, या टीबी या ऐसी ही किसी बीमारी की वजह से मौत होना बता दिया जाता था।

पाठकों को बता दें कि एम्स दिल्ली के पैथोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग ने मई 2023 से अप्रैल 2024 तक स्टडी की थी। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित भी हुई है। इसमें हत्या, आत्महत्या और नशे की वजह से मौतों को छोड़कर अचानक होने वाली मौतों पर रिसर्च किया गया। 19-45 साल और 46-65 साल के लोगों की मौतों के डेढ़ सौ से ज्यादा मामलों की जांच हुई। अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में दो तिहाई मौतों की वजह दिल की बीमारियां थी। इन मौतों में अधिकांश मामलों में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज पाई गई, मतलब दिल की नसों में 70 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज। इसके अलावा युवाओं की मौत के एक तिहाई मामलों में सांस से जुड़ी बीमारियां जैसे न्यूमोनिया, टीबी को पाया गया। बीस फीसदी मामलों में मौतों की कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल सकी। एम्स की स्टडी में बताया गया है कि इन मौतों के मामलों में औसत उम्र सिर्फ 30.5 साल थी। इसमें सबसे ज्यादा मामले 30-40 साल की उम्र के 50 प्रतिशत और 20-30 साल की उम्र के 40 प्रतिशत लोगों के थे। आधे मामलों में जब दिल की टिश्यू की बारीक जाँच (हिस्टोपैथोलॉजी) की गई, तो उसमें दिल में कुछ हल्के-मामूली बदलाव दिखे जैसे दिल की मांसपेशियाँ थोड़ी मोटी हो जाना, धमनियों में चर्बी की पतली परत जमना या दिल के छोटे-छोटे हिस्सों में खून की हल्की कमी के निशान का मिलना। स्टडी में कहा गया कि ये बदलाव इतने गंभीर नहीं थे कि मौत का सीधा कारण बन सकें। एम्स स्टडी में युवाओं की अचानक मौतों का सबसे बड़ा कारण दिल से जुड़ी बीमारियां बताई गई हैं। इसके अलावा सांस की समस्याएँ और हार्ट अटैक आदि की मुख्य वजह बताई गई है। हालांकि, एम्स दिल्ली की स्टडी और रिपोर्ट पर दिगर विशेषज्ञ चिकित्सक भी सवालिया निशान लगा चुके हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में पुणे डॉक्टर अमिताभ बनर्जी ने कहा था कि स्टडी में करीब बीस प्रतिशत मामलों में मौत का कारण पता नहीं चला, क्या इन अज्ञात मामलों में कोविड वैक्सीन का कोई रोल तो नहीं? डॉक्टर अमिताभ बनर्जी भारत में इस्तेमाल हुई कोविशील्ड वैक्सीन के संदर्भ में कहते हैं यूरोप के कई देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को दुर्लभ लेकिन गंभीर साइड इफेक्ट्स जैसे ब्लड क्लॉट्स की वजह से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। उन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के उत्पादन बंद होने पर भी सवाल उठाया था। कोरोना का टीका बनाने वाली फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ये माना था कि उसके वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सीन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसी स्थिति हो सकती है। एस्ट्राजेनेका ने ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। खैर ये माना जा सकता है कि ये साइड इफेक्ट्स रेयरेस्ट ऑफ द रेयर है लेकिन जब करोड़ों लोगों पर इसका उपयोग हो तो प्रभावितों की संख्या में अधिक हो सकती है। एम्स की रिपोर्ट भले ही ये कहती हो कि वैक्सीन का अचानक हुई मौतों खासकर युवाओं की मौतों, से कोई संबंध नहीं है लेकिन एम्स को अपनी स्टडी में यह भी बताना था कि फिर आखिर वे कौन से कारण हैं जिनसे युवाओं की अचानक मौतें हुई। अचानक होने वाली मौतों का सिलसिला तो अभी भी जारी है। बहरहाल, कोरोना का असर वैश्विक था। लेकिन, जितनी मौतें भारत में हुई शायद ही किसी और देश में इतनी मौतें हुई हों खासकर युवाओं की। जो भी हो, शीर्ष अदालत के इस फैसले से उन पीड़ितों को जरूर राहत मिलेगी जो वैक्सीन के विपरीत असर की वजह से पीड़ित हैं। सुप्रीम कोर्ट का ये निर्णय मृतकों के परिजनों और पीड़ितों के जख्म पर मरहम का काम जरूर करेगा।

3 मोटर बोट-एक पनडुब्बी जब्त, टीम देख भागे मजदूर

नर्मदा में अवैध रेत खनन बाबरी घाट पर खनिज विभाग की दबिश, पसीने छूटे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील स्थित बाबरी घाट पर खनिज विभाग ने अवैध रेत खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार शाम नर्मदा नदी की बीच धार में दबिश देकर 3 मोटर बोट और एक पनडुब्बी जब्त की गई है। जब्त मशीनों को शिवपुर थाने में रखवाया गया है और आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है खनिज अधिकारी देवेश मरकाम के नेतृत्व में खनिज निरीक्षक केके परस्ते और होमगार्ड की संयुक्त टीम ने शनिवार शाम 4 बजे यह दबिश दी थी। खनिज टीम को आता देख रेत उत्खनन और परिवहन कर रहे मजदूर मौके से भाग गए। इसके बाद टीम को नदी से उपकरण किनारे लाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पनडुब्बी को बाबरी घाट से शिवपुर थाने तक ले जाने में भी टीम के पसीने छूट गए ट्रैक्टर में लादकर लाए उपकरण रात 10 बजे पहुंची टीम पनडुब्बी और नाव को पानी से निकालकर ट्रैक्टर में लोड किया गया। घाट से शिवपुर थाने की दूरी करीब 10 किलोमीटर है। इस भारी भरकम मशीन को ट्रैक्टर से लाने में टीम को 3 घंटे लग गए। इसी वजह से खनिज अधिकारी और उनकी टीम रात 10 बजे शिवपुर थाने पहुंच सकी पुलिस अभिरक्षा में रखी मशीनें नियम 2022 के तहत कार्रवाई कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए सभी वाहनों व उपकरणों को विधिवत शिवपुर थाने की पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। संबंधित प्रकरण में मध्य प्रदेश खनिज नियम 2022 के प्रावधानों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कक्षा 12वीं की टॉपर रितिका की कहानी

बचपन में माता-पिता को खोया, आर्ट्स टॉपर आंशिक के पिता चलाते हैं सैलून

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। कहते हैं विषम परिस्थितियों से जूझते हुए अपने सपनों को साकार करने का जज्बा अगर मजबूत हो तो सफलता की राह खुद बन जाती है। इसी कहावत को चरितार्थ किया है नर्मदापुरम जिले की कक्षा 12वीं की होम साइंस विषय की छात्रा रितिका कुरुचि ने। पथरौटा के सरकारी स्कूल की छात्रा रितिका कुरुचि ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 91.4 प्रतिशत अंक हासिल कर होम साइंस विषय में टॉप किया है। बचपन में ही माता-पिता को खो चुकी रितिका ने दादा-दादी के साथ रहकर यह सफलता हासिल की है जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में विधायक और कलेक्टर ने रितिका को सम्मानित किया है घर के काम के साथ की पढ़ाई परिजनों-शिक्षकों को दिया श्रेय बचपन में ही रितिका के सिर से माता-पिता का साया उठ गया था। रितिका अपने दादा-दादी और चाचा-चाची के साथ रहकर पढ़ाई कर रही हैं घर के कामकाज और पारिवारिक जिम्मेदारियों में सहयोग करते हुए उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी इस सफलता का श्रेय रितिका ने अपने परिजनों, शिक्षकों और मित्रों को दिया है। रितिका के संघर्ष और सफलता पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा तथा कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उन्हें सम्मानित किया 20 घंटे बाद चला जिले में टॉप करने का पता पिता चलाते हैं सैलून एमपी बोर्ड परीक्षा में रितिका की तरह ही अन्य सरकारी स्कूलों और ग्रामीण विद्यार्थियों ने बाजी मारी है। इन छात्रों के माता-पिता मिस्त्री, बाइक मैकेनिक और सैलून चलाते हैं आर्ट्स संकाय में तारारोड़ा गांव की आंशिक सराठे ने 93.2 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में टॉप किया है।

रद्द की गई 14 ट्रेनें बहाल रायगढ़-कोरबा लाइन की हैं गाड़ियां, यात्रियों की सुविधा को देखते हुए फैसला

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के जांजगीर-नैला स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी के लिए किए गए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पहले निरस्त की गई 14 यात्री ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है इन ट्रेनों का परिचालन यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दोबारा शुरू किया जा रहा है रेलवे प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि, कई पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन निर्धारित अवधि के दौरान चरणबद्ध रूप से बहाल किया जाएगा। यह बहाली 19 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल तक जारी रहेगी गाड़ी संख्या 68737 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक अपने निर्धारित समय पर चलाया जाएगा गाड़ी संख्या 68738 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को भी 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बहाल कर दिया गया है गाड़ी संख्या 68736 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक और गाड़ी संख्या 68735 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक संचालित होगी गाड़ी संख्या 68746 (रायपुर-गेवरारोड) मेमू को 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक और गाड़ी संख्या 68745 (गेवरारोड-रायपुर) मेमू को 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बहाल किया गया है शॉर्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड ट्रेनें रिस्टोर 19 से 22 अप्रैल 2026 तक 18250/18249 और 18252/18251 कोरबा -रायपुर -कोरबा हसदेव एक्सप्रेस एक्सप्रेस बनकर चलेगी।

ठग्गांव मौत मामला : पिकअप मालिक सहित दो गिरफ्तार, डीजे संचालक पर कार्रवाई नहीं

मीडिया ऑडीटर, बैकुंठपुर (निप्र)। करीब दो माह पूर्व ठग्गांव में विवाह समारोह के दौरान हुई युवक की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए पिकअप वाहन के मालिक और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने इस प्रकरण में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है लेकिन डीजे संचालक के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई न होने से पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं घटना 24 फरवरी 2026 की है जब ठग्गांव निवासी कल्याण सिंह के घर बारात आई थी। समारोह में डीजे और पिकअप वाहन की व्यवस्था थी। रात करीब 10 बजे डीजे बंद होने के बाद जब वाहन लौट रहा था, तभी रास्ते में कुछ युवकों ने गाड़ी रोककर दोबारा डीजे बजाने की मांग की। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान पिकअप में सवार लोगों ने विजेंद्र नामक युवक को जबरन गाड़ी में बैठा लिया और वहां से भाग निकले कुछ दूरी पर युवक चलती गाड़ी से गिरा या धक्का दिए जाने के कारण उसकी मौत हो गई।

परिजनों का आरोप: डीजे संचालक की भूमिका संदिग्ध, कार्रवाई की मांग: पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की मौत चलती गाड़ी से गिरने के कारण हुई। मामले में रमेश साहू (पिकअप मालिक) और नंदकिशोर (सहयोगी, निवासी लोहारी) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 138, 105 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर पिकअप वाहन जब्त कर लिया गया है हालांकि मृतक के परिजनों का आरोप है कि डीजे संचालक भी विवाद और मारपीट में शामिल था लेकिन पुलिस ने उसके खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है यहां तक कि डीजे उपकरण भी जब्त नहीं किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल कार्रवाई वाहन चालक और उसके साथी तक सीमित है क्योंकि घटना के समय वाहन वही चला रहा था इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं तेज हैं और लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं अब देखना होगा कि जांच आगे बढ़ने पर अन्य आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई होती है या नहीं।

जबरन गाड़ी छीनी तो होगी एफआईआर रिकवरी एजेंटों पर सख्ती लूट का केस दर्ज करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बैंक और फाइनेंस कंपनियों के रिकवरी एजेंट अब लोन वसूली के लिए जबरन गाड़ियां नहीं छीन सकेंगे रास्ते में रोककर चाबी छीनने या बदतमीजी करने पर एजेंटों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज होगी वर्तमान में एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आरबीआई के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लूट का केस दर्ज किया जाए बिना कोर्ट के आदेश वाहन सीज करने की मिल रही थीं शिकायतें एसपी सांई कृष्णा एस थोटा ने बताया कि जिले में जबरन वाहन सीज करने का खेल बड़े स्तर पर चल रहा था। शिकायतें मिली थीं कि बैंक और फाइनेंस कंपनियों के रिकवरी एजेंट ईएमआई जमा न होने पर मनमानी कर रहे हैं वे बिना किसी लीगल नोटिस या न्यायालय के आदेश के जबरन दोपहिया और चार पहिया वाहन सीज कर रहे थे। इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए एसपी ने सभी कंपनियों और एजेंसियों को सख्त हिदायत दी है ऋण वसूली के लिए केवल भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों और कानूनी प्रक्रिया का ही पालन किया जाए अभद्रता की तो दर्ज होगा लूट और अड़ीबाजी का केस लोन वसूली के लिए किसी भी नागरिक के साथ बीच सड़क पर मारपीटअभद्रता या बिना वैध आदेश के वाहन जब्त करना पूरी तरह गैरकानूनी है। अगर भविष्य में किसी भी एजेंट द्वारा ऐसी अवैध जब्ती या जबरदस्ती की जाती है, तो नर्मदापुरम पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। संबंधित थाने में एजेंट और कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ लूट जबरन वसूली और धमकाने की धाराओं के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके अलावा, वसूली के लिए आने वाले रिकवरी एजेंट के पास अपना आईकार्ड (परिचय पत्र) साथ रखना भी अनिवार्य किया गया है जनता से अपील- जबरदस्ती करें तो डायल 112 पर कॉल करें एसपी ने जनता से अपील की है कि किस्त बकाया होने पर बैंक को कानूनी नोटिस भेजने और न्यायालय जाने का अधिकार है लेकिन कोई भी रिकवरी एजेंट आपके साथ बीच रास्ते में जबरदस्ती या डरा-धमका नहीं सकता यदि कोई भी व्यक्ति या एजेंट वाहन छीनने का प्रयास करे तो उसका विरोध करें ऐसे मामलों में तत्काल डायल 112 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर सहायता करेगी और दोषियों पर कार्रवाई करेगी।

पूर्व अपर कलेक्टर-एसडीएम की कॉलोनी में अंधेरा

कॉलोनाइजर ने कटवाया स्ट्रीट लाइट का कनेक्शन, 4 दिन से मोबाइल टॉर्च के सहारे लोग

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम की पॉश 'रिवर व्यू कॉलोनी में पिछले चार दिन से स्ट्रीट लाइट बंद होने से सड़कों पर अंधेरा पसरा हुआ है कॉलोनाइजर और रहवासियों के बीच सामंजस्य न होने के कारण प्रबंधन ने बिना सूचना दिए अचानक बिजली का मीटर निकलवा दिया वर्तमान में रहवासी रात में मोबाइल की टॉर्च का सहारा लेने को मजबूर हैं और समिति इस मामले की लिखित शिकायत कलेक्टर, कमिश्नर और रेरा (RERA) से करने जा रही है इस कॉलोनी में पूर्व अपर कलेक्टर, एसडीएम, जनजातीय आयुक्त, पुलिस इंस्पेक्टर और न्यायाधीश जैसे कई बड़े अधिकारी रहते हैं। इसके बावजूद कॉलोनी प्रबंधन संवेदनहीन रवैया अपना रहा है। भीषण गर्मी में स्ट्रीट लाइट बंद होने से रात के समय बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भारी परेशानी हो रही है अंधेरे के कारण बुजुर्गों के लिए हादसों चोरी और जहरीले कीड़े-मकोड़ों का डर बना हुआ है 3 महीने से भर रहे बिल नगरपालिका को हैंडओवर नहीं हुई कॉलोनी रिवर व्यू कल्चलर फाउंडेशन सोसायटी की कोषाध्यक्ष पूर्णिमा त्रिपाठी ने बताया कि पिछले तीन माह से बिजली बिल का नियमित भुगतान किया जा रहा है और नए मीटर के लिए आवेदन भी प्रक्रिया में है। उन्होंने बताया कि कॉलोनी के प्लॉट रिचा पारे द्वारा बेचे गए थे। कॉलोनी अभी तक नगरपालिका को हैंडओवर नहीं की गई है। ऐसे में जब तक कॉलोनी हैंडओवर नहीं होती, तब तक सभी बुनियादी सुविधाएं देने की जिम्मेदारी कॉलोनाइजर की होती है रहवासियों ने बताया तानाशाही 1-2 दिन में लगेगा नया कनेक्शन रहवासियों ने भीषण गर्मी में बिना सूचना मीटर निकालने की इस कार्रवाई को अमानवीय और तानाशाही बताया है मामले को लेकर विद्युत कंपनी के एई दीपक मिश्रा ने बताया कॉलोनी के प्रबंधन ने स्ट्रीट लाइट का कनेक्शन कटवा दिया गया है। नए कनेक्शन के लिए समिति ने एप्लाई किया जो प्रक्रिया में है। एक दो दिन में नया कनेक्शन लग जाएगा इस मामले को लेकर बिल्डर से भी संपर्क करने की कोशिश की गई है।

PWD निर्माण में गड़बड़ी की आशंका सेंट्रल-जेल, नेहरू चौक-दर्रीघाट सड़क और एडवोकेट हॉल के लिए गए सैंपल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लोक निर्माण विभाग (PWD) के करोड़ों रुपए के निर्माण कार्यों में गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है इसकी जांच के लिए रायपुर से अफसरों की टीम बिलासपुर पहुंची जांच अधिकारी ने सेंट्रल जेल के साथ ही नेहरु चौक से दर्रीघाट सड़क और एडवोकेट हॉल प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया साथ ही गुणवत्ता परखने के लिए सैंपल भी लिए बिलासपुर के बैमा में नई केंद्रीय जेल का निर्माण होना है साल 2022 से प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद काम शुरू नहीं हो पाया पिछले साल मां भगवती कंस्ट्रक्शन को टेंडर मिला था लेकिन दस्तावेजों में गड़बड़ी की शिकायत पर टेंडर निरस्त कर दिया गया जबकि फर्म ने मौके पर काम शुरू कर दिया था। इसके बाद सातवें टेंडर में नए फर्म बालाजी इंजीकॉम को टेंडर जारी किया गया है अफसरों की मनमानी से शासन को 9 करोड़ का नुकसान इस फर्म के दस्तावेजों में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ वहीं विभाग के जिम्मेदार अफसरों के मनमाने ढंग से काम करने के कारण शासन को 9 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है जबकि नए टेंडर में भी अफसरों की भूमिका संदेहास्पद है नए फर्म के दो कामों के दस्तावेजों में 700 करोड़ रुपए का अंतर है। यही वजह है कि जिले में चल रहे विभाग के निर्माण कार्यों की निगरानी की जा रही है निर्माण कार्यों में गडबड़ी की आशंका, गुणवत्ता परखने लिए सैंपल जांच अधिकारी ने केंद्रीय जेल नेहरू चौक से दर्रीघाट रोड और एडवोकेट हॉल प्रोजेक्ट की बारीकी से जांच की जांच अधिकारी विशाल त्रिवेदी ने सबसे पहले बैमा नगोई स्थित केंद्रीय जेल का दौरा किया यहां निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांचने के लिए सैंपल लिए गए।

टैंकर-बाइक टक्कर में युवक की मौत सिर फटने से शिनाख्त मुश्किल फरार तलाश में जुटी पुलिस

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर51 मिनट पहले

एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ सिटी कोतवाली क्षेत्र के परसगढ़ी में रविवार को एक सड़क हादसा हुआ तेज रफ्तार पानी के टैंकर और बाइक की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की हादसे में युवक का सिर फट जाने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी है पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

मध्यप्रदेश पुलिस की जुआं और सट्टे पर सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेश में अवैध जुआं और सट्टे की गतिविधियों पर कड़े कार्रवाई जारी रखी है पिछले दो सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने जुआं और सट्टे के खिलाफ अभियान चलाया और लगभग 86 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जप्त की। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नगदी वाहन मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की जुआं और सट्टे पर कार्रवाई के प्रमुख मामले सागर जिले में पुलिस ने जुए के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया और 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया इस कार्रवाई में 6 लाख 45 हजार रुपए नगद वाहन मोबाइल फोन हथियार समेत करीब 45 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई पन्ना: पन्ना जिले में पुलिस ने जुए के फड़ पर छापा मारा और 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया इस छापेमारी में पुलिस ने 2 लाख 42 हजार रुपए नगद सहित अन्य संपत्ति बरामद की इसके अतिरिक्त अमानगंज थाना क्षेत्र में 9 जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 14 लाख 42 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की मंडला मंडला जिले में जुए के एक फड़ पर पुलिस ने दबिश देकर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया और करीब 11 लाख 50 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की दमोह दमोह में पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर जुए के खिलाफ कार्यवाही की। कोतवाली थाना क्षेत्र में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 हजार 780 रुपए नगद जब्त किए वहीं सिविल लाइन थाना क्षेत्र में 11 जुआरियों को गिरफ्तार कर 4 लाख 44 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की कटनी कटनी जिले में पुलिस ने एक जुआ फड़ पर छापा मारकर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 73 हजार 600 रुपए नगद ताश पत्ते 3 मोटरसाइकिल और 1 स्विफ्ट कार जब्त की पुलिस की अपील मध्यप्रदेश पुलिस ने जुआं और सट्टे जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ जनता से सहयोग की अपील की है पुलिस ने आमजन से आग्रह किया है कि वे इस तरह की अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और प्रदेश को इस तरह की अवैध गतिविधियों से मुक्त किया जा सके मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई के बावजूद जुआं और सट्टे की अवैध गतिविधियाँ जारी हैं और पुलिस की यह निरंतर कोशिश है कि प्रदेश में अपराधों को कम किया जा सके।

दमोह के डायल-112 हीरोज ने सड़क दुर्घटना में घायल 05 व्यक्तियों को पहुँचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर,भोपाल, (निप्र)। दमोह जिले के थाना कुम्हारी क्षेत्र में डायल-112 टीम ने सड़क दुर्घटना के शिकार हुए 05 गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तत्परता से अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचाई इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से सभी घायलों को शीघ्र चिकित्सा सहायता मिल सकी डायल-112 टीम की तत्परता से घायलों को मिली राहत 17 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना मिली कि कुम्हारी थाना क्षेत्र में एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें कई लोग घायल हैं। सूचना मिलते ही, डायल-112 कंट्रोल रूम के आरक्षक श्री राम नरेश ने तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना कुम्हारी में तैनात एफआरव्ही-17 वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया घटनास्थल पर पहुँची डायल-112 टीम ने पाया कि एक फोर व्हीलर वाहन पत्थर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 2 पुलिसकर्मियों सहित कुल 5 लोग गंभीर रूप से घायल थे। डायल-112 के आरक्षक नितिन राजपूत और पायलट इकरार खान ने सूझबूझ से सभी घायलों को एफआरव्ही-17 वाहन से कुम्हारी अस्पताल पहुँचाया जहाँ उनका इलाज शुरू किया गया डायल-112 की यह त्वरित और प्रभावी कार्रवाई प्रदेश में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित राहत प्रदान करने की पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

2 युवकों की मौत; विरोध में शव रखकर हाइवे जाम

टैंकर में दम घुटने से गई जान, परिजन बोले- बिना सुरक्षा उपकरण के काम कराया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा में एक टैंकर के अंदर दम घुटने से दो युवकों की मौत के बाद रविवार को परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपे जाने पर आक्रोशित लोगों ने NH-86 सागर-कानपुर रोड और महाराजपुर तिराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। इस घटना के कारण मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और प्रदर्शनकारियों को

समझाने का प्रयास शुरू किया। पुलिस प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने और जाम खुलवाने में जुटा हुआ है।

टैंकर की मरम्त के लिए भीतर उतरे थे: यह घटना शनिवार को गढ़ीमलहरा क्षेत्र में हुई थी। गुलाब अनुरागी और अरमान खान पानी के एक टैंकर की मरम्मत के बाद उसके अंदर पेंटिंग का काम कर रहे थे। इसी दौरान टैंकर के भीतर जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण उनका दम घुट गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। यह टैंकर ग्राम पंचायतों के थे जो मरम्मत के लिए आए थे। घटना के तुरंत बाद दोनों युवकों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस ने बताया था कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव परिजनों को सौंपे गए, वे आक्रोशित हो गए। परिजनों ने मुआवजे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया।

प्रशासन की टीम समझाइश के लिए मौके पर पहुंची: उनका आरोप है कि बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के टैंकर के अंदर काम कराया गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। परिजन इसे हत्या करार दे रहे हैं। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन लोगों को शांत कराने और यातायात बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं। पूरे मामले की जांच के बाद जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई करने की बात कही जा रही है।

इंदौर-मुंबई सेंट्रल के बीच चलेगी स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन

रतलाम, उज्जैन में रहेगा स्टॉपेज; दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएगी, जानें शेड्यूल

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। वेस्टर्न रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए मुंबई सेंट्रल और इंदौर स्टेशनों के बीच स्पेशल किराये के साथ सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। मुंबई सेंट्रल-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल दोनों दिशाओं में 12-12 फेरे चलेगी।

मुंबईसेंट्रल-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशलः 20 अप्रैल से 29 मई, 2026 तक मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को 23.20 बजे चलेगी। अगले दिन 13 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के दाहोद (07.10/07.12), रतलाम (08.45/08.55), उज्जैन (10.50/10.55) पर आगमन प्रस्थान होगा। ट्रेन संख्या 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल, 21 अप्रैल से 30 मई, 2026 तक तक इंदौर से प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को इंदौर से 17 बजे प्रस्थान करेगी। अगले दिन 7.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के उज्जैन (18.20/18.25), रतलाम (20.05/20.10) एवं दाहोद (21.55/21.57) बजे आगमन/प्रस्थान होगा।

इन स्टेशनों पर दिया स्टॉपेजः यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरिवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम तथा उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

रायसेन में बस पहाड़ी से टकराई, तीन यात्री घायल

ड्राइवर की जगह हेल्पर चला रहा था बस, टक्कर के बाद आगे के दोनों पहिए निकले

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात ह्वा 45 पर एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पहाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में तीन यात्री घायल हो गए। घटना सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के घाट खमरिया में रात करीब 1:30 बजे हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तेज रफ्तार के कारण बस के दोनों पहिए निकल गए, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सुल्तानपुर, बाड़ी और गोहरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। गोहरगंज थाना प्रभारी विनोद परमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बस

से बाहर निकाला और उन्हें दूसरे वाहनों से आगे रवाना किया।

बस ड्राइवर मौके से फरारः थाना प्रभारी परमार के अनुसार, यह घटना चालक को नींद का झोंका आने के कारण हुई। हालांकि, यात्रियों का कहना है कि बस हेल्पर चला रहा था। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, हेल्पर बस के अंदर दब गया था, जिसे स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। बस में करीब 45 से 50 यात्री सवार थे, जो भोपाल से जबलपुर जा रहे थे।

सागर में B.Com के छात्र ने लगाई फांसी

रहली में 21 साल के युवक का शव फंदे पर मिला मोबाइल कॉल डिटेल की जांच होगी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के रहली स्थित वार्ड क्रमांक-6 में रविवार सुबह 21 वर्षीय बीकॉम के छात्र ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार रात वह कमरे में मोबाइल चला रहा था और सुबह मां ने उसे फंदे पर लटके देखा। रहली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए युवक का

मोबाइल जब्त कर कॉल डिटेल की जांच कर रही है।

मां कमरे में पहुंची तो फंदे पर झूल रहा था बेटाः पुलिस के अनुसार, वार्ड क्रमांक-6 (रहली) निवासी यशवंत बेलदार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यशवंत ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। दूसरे नंबर का बेटा गौरव बेलदार (21) सागर के ऑर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज से बीकॉम सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। शनिवार रात करीब 12 बजे यशवंत घर पर टीवी देख रहे थे और गौरव अपने कमरे में मोबाइल चला रहा था। इसके बाद यशवंत सो गए। रविवार सुबह करीब 5 बजे पत्नी संध्या सोकर उठीं। कुछ देर बाद वह कमरे में गईं, तो देखा कि गौरव फंदे पर झूल रहा है।

रस्सी काटकर अस्पताल ले गए, डॉक्टर ने किया मृत घोषितः पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य लोग कमरे में पहुंचे। परिजनों ने फंदे की रस्सी काटकर गौरव को नीचे उतारा और तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर रहली पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। युवक के आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है और उसकी कॉल डिटेल निकाली जा रही है।

लिमिट कम फिर भी केंद्रों पर तुलाई में लग रहे 2 दिन

गर्मी में ट्रॉलियों में इंतजार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कई केंद्रों पर समय पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की तौल नहीं होने से किसान परेशान हो रहे हैं। हालत यह है कि दो दिन में नंबर लग पा रहा है। भीषण गर्मी के बीच ट्रैक्टर-ट्राली लेकर आए इन किसानों के सामने खाने और पानी का भी संकट हो रहा है। किसानों का कहना है कि जब उपज की लिमिट ही कम है तो फिर इतनी देर लगना समझ से बाहर है। दूसरी तरफ इसका कारण यह सामने आया है कि कई जगह बिजली की समस्या हो रही है। इसके कारण तुलाई में देरी हो रही है। अभी तक 84 हजार टन की खरीदी हो चुकी है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की तौल को लेकर इस समय किसान परेशान हैं।

अभी छोटे किसानों के स्लॉट ही बुक हो रहे हैं। इसलिए बड़े किसान पहले से ही परेशान हैं। उनकी उपज का एक दाना भी अभी तक समर्थन मूल्य पर नहीं बिका है। इधर कई केंद्रों पर बिजली की आवाजाही के कारण काम बाधित हो रहा है। इसलिए तौल में काफी देर हो रही है। 40 फीसदी किसानों के स्लॉट हो चुके बुकः इस बार 1 लाख 2 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। इनमें से अभी तक 40 हजार 700 किसान स्लॉट बुक करा चुके हैं। जानकारी देते हुए प्रभारी जिला उपार्जन अधिकारी आकाश चंदेल ने बताया कि अभी तक 17 हजार 500 किसानों से 84 हजार टन गेहूं की खरीदी हो चुकी है। सबसे बड़ी समस्या खाने और नाश्ते की इन किसानों का कहना था कि दो दिन तक खड़े रहने में काफी परेशानी हो रही है। सबसे बड़ी समस्या खाने और नाश्ते की है। खरीदी केंद्र के आसपास इस तरह की सुविधा नहीं है। सैकड़ाखेड़ी जोड़ पर जाकर कुछ खाने की व्यवस्था हो पाती है। ट्राली छोड़कर यहां से जा भी नहीं सकते। ऐसे में किसान करे तो क्या करें। उपज से भरी ट्राली को ऐसे छोड़कर खाना खाने भी नहीं जा सकते।

खरगोन के पिपलियाबावड़ी में जलसंकट, नाले से ला रहे पानी

4 साल से नल-जल योजना ठप, टंकियां बनी लेकिन पानी नहीं आया, सीईओ ने आश्वासन दिया

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के आदिवासी बहुल भगवानपुरा क्षेत्र में भीषण गर्मी के साथ जलसंकट लगातार गहराता जा रहा है। पिपलिया बावड़ी के डुडवा फालिया और सतीपुरा में स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां 200 से अधिक घरों में पानी की भारी किल्लत है। ग्रामीण, खासकर बुजुर्ग, दूरदराज के नालों से मटमैला पानी लाने को मजबूर हैं। इससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है और लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है।

टेस्टिंग के बाद से आज तक टंकियां खालीः स्थानीय लोगों के अनुसार, चार साल पहले नल-जल योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण किया गया था और घरों में कनेक्शन भी दिए गए थे। हालांकि, टेस्टिंग

के बाद से आज तक इन टंकियों में पानी नहीं आया और वे अनुपयोगी पड़ी हैं। वहीं, हैंडपंपों का जलस्तर भी लगातार घट रहा है।

ग्रामीणों बोलेः कई बार शिकायत की सुनवाई नहीं हो रही ग्रामीण धनसिंह ने बताया कि टंकी बनने के बाद केवल टेस्टिंग हुई, उसके बाद कभी पानी नहीं मिला। हैंडपंप सूखने की कगार पर हैं, इसलिए नाले का पानी लाना मजबूरी बन गया है। बुजुर्ग रादली बाई ने भी बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। इससे लोगों में गहरी नाराजगी है। उनका कहना है कि आबादी के हिसाब से पानी की उपलब्धता बेहद कम है। अधिकारियों ने बार-बार केवल आश्वासन दियाइस संबंध में भगवानपुरा जनपद पंचायत की सीईओ कंचन डोंगरे ने बताया कि पेयजल संकट पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पिपलिया बावड़ी का निरीक्षण कर जल्द ही जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

इटारसी में पुराने विवाद में युवक पर कट्टे से फायरिंग :पेट में लगी गोली, रीढ़ की हड्डी में फंसी ; आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में मेहरागांव में बीती रात एक युवक को देसी कट्टे से गोली मार दी गई। घटना में शुभम कुहारे (28) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके पेट में गोली लगी है और सिर पर भी तीन से चार जगह गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना मेहरागांव के सी केविन के पास रात करीब तीन बजे के बीच हुई।

रीढ़ की हड्डी में फंसी गोलीः घायल शुभम कुहारे को तुरंत इटारसी स्थित दयाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के डॉक्टर डॉ. आर. दयाल ने बताया कि शुभम के पेट में लगी गोली रीढ़ की हड्डी में फंस गई थी, जिसे ऑपरेशन के बाद सफलतापूर्वक निकाल दिया गया है। फिलहाल, युवक का इलाज जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।घटना के बाद से फरार हुआ आरोपीः मामले की जांच कर रहे एसआई विपिन पाल ने जानकारी दी कि यह घटना पुराने विवाद के चलते हुई। रात करीब 3 बजे सूरजगंज निवासी आरोपी आकाश शर्मा शुभम के घर के पास पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने शुभम पर फायर कर दिया। घटना के बाद से आरोपी आकाश शर्मा फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। वहीं, गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि उन्हें देर रात घटना की सूचना मिली है।

टोंकखुर्द में डेढ़ लाख की अवैध शराब जब्त, दो कारें बरामद

एक आरोपी गिरफ्तार, साथी फरार

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास जिले की टोंकखुर्द पुलिस ने रविवार को अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने लगभग डेढ़ लाख रुपए से अधिक की अवैध शराब जब्त करते हुए दो महंगी कारें भी बरामद की हैं। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य फरार हो गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि टोंककला स्थित कलाली के पास एक कच्चे रास्ते पर दो चार पहिया वाहनों में अवैध शराब भरकर परिवहन के लिए खड़ी है। सूचना की पुष्टि के लिए थाना प्रभारी टोंकखुर्द आलोक कुमार वर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर दो कारें खड़ी मिलीं। पुलिस ने घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा, जो एक कार से दूसरी कार में शराब की पेटियां रख रहा था। हालांकि, दूसरी कार का

चालक पुलिस को देखकर फरार हो गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान संजय पिता कमलसिंह धाकड़ (38 वर्ष), निवासी ग्राम आलरी के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों कारों से देशी और विदेशी शराब की कुल 39 पेटियां बरामद कीं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 43 हजार रुपए से अधिक बताई जा रही है। आरोपी के पास शराब परिवहन या बिक्री संबंधी कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर आरोपी संजय के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

सीहोर में कागजों पर बना अमृत सरोवर तालाब

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इछावर क्षेत्र की ब्रिजीशनगर पंचायत में अमृत सरोवर योजना के तहत बनाए गए तालाब को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मौके पर तालाब के नाम पर केवल कुछ मीटर की एक पाल (बांध) ही दिखाई दे रही है, जबकि पूरा तालाब धरातल पर मौजूद नहीं है। 25 लाख रुपये निकालने का आरोप ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव ने इस तालाब के नाम पर करीब 25 लाख रुपये की राशि निकाल ली, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा ही छोड़ दिया गया। उनका कहना है कि राशि का दुरुपयोग कर केवल कागजों में काम पूरा दिखाया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में सरपंच और सचिव ने संबंधित अधिकारियों से मिलीभगत कर सरकारी योजना में गड़बड़ी की है। उनका कहना है कि योजनाओं की राशि का बंदरबांट कर लिया गया और वास्तविक काम नहीं किया गया।

मऊगंज में युवक कुएं में गिरा इलाज के दौरान मौत

रिश्तेदार के यहां बरहो संस्कार में शामिल होने आया था

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के बरयाकला गांव में एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान एक युवक की कुएं में गिरने से मौत हो गई। 27 वर्षीय रवि कुमार रावत बरहो संस्कार में शामिल होने आया था, जब यह हादसा हुआ।

मृतक की पहचान रीवा जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र के पुरैनी जागीर निवासी रवि कुमार रावत (27) पुत्र छठिलाल रावत के रूप में हुई है। वह अपने रिश्तेदार रामसहोदर रावत के घर आयोजित बरहो संस्कार में शामिल होने बरयाकला आया था। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात रवि कुमार रावत अचानक कुएं में गिर गया। घटना का पता चलते ही मौके पर मौजूद लोगों ने उसे कुएं से बाहर निकाला और तत्काल सिविल अस्पताल मऊगंज पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को सूचित किया गया। रविवार दोपहर करीब 1 बजे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर इसे एक हादसा माना जा रहा है, लेकिन पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। इस घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया है और गांव में शोक का माहौल है।

रुतुराज ने सनराइजर्स से हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में लगातार दूसरी हार पर निराशा जतायी है। सीएसके को सनराइजर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा है।रुतुराज ने हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में 195 रनों के लक्ष्य की पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई.

रुतुराज ने कहा कि हमारी टीम के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन किया पर मध्यक्रम के अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं ले पाये। उन्होंने कहा, ÷जिस प्रकार से सनराइजर्स ने बल्लेबाजी की उससे लगा कि वे पावरप्ले में 220 से 230 रन बना सकते हैं पर वह उससे करीब 30 रन बना पाये। इससे साफ है कि गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई। हम उनको उम्मीद से करीब 30 रन कम पर रोकने में सफल रहे। 200 से कम का स्कोर हम हासिल कर सकते थे।÷ इस मैच में सीएसके की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए संभल नहीं पायी। बीच-बीच में विकेट गिरने से टीम की रन गति पर अंकुश लगा रहा। इस कारण उसे अंतिम ओवरों में जीत के लिए काफी रन बनाने थे। सीएसके की टीम 8 विकेट पर 184 रन ही बन पायी।

सीएसके के कप्तान ने कहा कि पारी के बीच में ही रनगति कम होने से मैच हमारे हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, ÷अंतिम 10 ओवर में 80 रन चाहिए थे। वहां से दो-तीन साझेदारियां बनती तो टीम जीत के करीब पहुंचती पर ऐसा नहीं हुआ। पिछले तीन मैचों से गेंदबाजी यूनिट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आज भी पावरप्ले में सनराइजर्स के अभिषेक ने अच्छी बल्लेबाजी की पर हमारे गेंदबाजों ने उसे खुलकर खेलने नहीं दिया। उन्होंने विशेष रुप से अंकुल कम्बोज की गेंदबाजी को सराहा।

काशवी गौतम : एक साल के भीतर तीनों फॉर्मेट में डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर है, जिसका पहला मुकाबला डरबन में खेला गया। हालांकि भारत यह मैच 6 विकेट से हार गया पर इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय महिला क्रिकेट को एक नया चेहरा मिला, जब युवा तेज गेंदबाज काशवी गौतम को भारतीय टीम की तरफ से डेब्यू कैप प्रदान की गई। यह 22 वर्षीय प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने महज एक साल के भीतर भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पदार्पण कर लिया है। अप्रैल 2025 में उन्हें वनडे कैप मिली थी, और फिर इसी साल मार्च में उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का अवसर प्राप्त किया था। अब, साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टी20 मुकाबले में, वह भारतीय जर्सी में टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है।

काशवी गौतम भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे होनहार तेज गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने बहुत कम समय में अपनी पहचान बनाई है। वह तब पहली बार सुर्खियों में आई, जब 2024 की विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में उन्हें गुजरात जायंट्स ने दो करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि में खरीदा था। इस खरीद के साथ ही वह उस समय डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी बन गई थीं, जिससे उनकी प्रतिभा पर क्रिकेट विशेषज्ञों का भरोसा स्पष्ट हो गया था। काशवी तब और भी अधिक चर्चा में आई, जब उन्होंने 2020 में एक घरेलू अंडर-19 मैच में एक ही पारी में सभी 10 विकेट चटकाने का अविश्वसनीय कारनामा किया था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हैट्रिक भी ली थी, जिसने उनकी गेंदबाजी क्षमता को उजागर किया। वह अपनी सटीक लाइन लेंथ, नियंत्रित गति और विकेट लेने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट में हमेशा से अच्छे तेज गेंदबाजों की कमी महसूस की जाती रही है, और इस कमी को देखते हुए काशवी गौतम को भविष्य का एक बड़ा सितारा माना जा रहा है। वह चंडीगढ़ के लिए खेलती हैं और उन्होंने अंडर-19 तथा घरेलू सीनियर स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, 2024 के डब्ल्यूपीएल सीजन से पहले उन्हें दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। यह उनके लिए एक बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने मजबूत वापसी की। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 सीजन में उन्होंने 11 विकेट चटकाकर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की। इसी शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम में डेब्यू का मौका मिला, जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा जर्सी बदलने वाले खिलाड़ी: एक विस्तृत विश्लेषण

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग, अपनी चकाचौंध, प्रतिस्पर्धा और अप्रत्याशितता के लिए जानी जाती है, जहाँ खिलाड़ी हर साल अपने कौशल और फॉर्म के दम पर टीमों में जगह बनाते हैं। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अपने पूरे करियर में एक ही टीम का प्रतिनिधित्व किया, जैसे विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए और कीरोन पोलार्ड मुंबई इंडियंस के लिए। ये निष्ठा और स्थायित्व के प्रतीक बन गए। हालांकि, आईपीएल में एक दूसरा पहलू भी है, जहाँ खिलाड़ियों को लगातार नई टीमों के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है या उन्हें फ्रेंचाइजी द्वारा रिलीज कर दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वे कई अलग-अलग जर्सी में खेलते हुए नजर आते हैं। यह लेख ऐसे शीर्ष पांच खिलाड़ियों पर प्रकाश डालता है, जिनके नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा टीमों के लिए खेलने का अनोखा रिकॉर्ड दर्ज है। इस सूची में सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एरोन फिंच का है। फिंच की आक्रामक बल्लेबाजी शैली उन्हें हर फ्रेंचाइजी के लिए एक मूल्यवान संपत्ति बनाती थी, लेकिन अजीब बात यह है कि उन्हें किसी भी एक टीम में लंबा समय बिताने का मौका नहीं मिला। अपने आईपीएल करियर में फिंच ने कुल 9 टीमों के लिए मैदान पर कदम रखा, जो एक अद्वितीय रिकॉर्ड है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स (तत्कालीन डेयरडेविल्स), पुणे

वॉरियर्स इंडिया, सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों के लिए खेला। हर नीलामी में उन पर दांव लगाया गया, लेकिन टीम की रणनीति, उनके फॉर्म या चोट के कारण उन्हें बार-बार टीम बदलनी पड़ी।

दूसरे स्थान पर भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट का नाम आता है। अपनी विविधता भरी गेंदबाजी और धीमी गेंदों के लिए मशहूर उनादकट भी आईपीएल नीलामी में हमेशा आकर्षण का केंद्र रहे हैं। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे उनादकट अब तक 8 अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी यात्रा कोलकाता नाइट राइडर्स से शुरू हुई और फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स होते हुए सनराइजर्स हैदराबाद तक पहुंची है। उन्हें कई बार मोटी रकम में खरीदा गया, लेकिन वे लगातार अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए, जिसके चलते उन्हें हर सीजन में नई टीम की तलाश करनी पड़ी।

भारतीय टीम के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक और आईपीएल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय मनीष पांडे इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज मनीष पांडे अब तक 7 आईपीएल टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी आईपीएल यात्रा मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से शुरू हुई, जिसके बाद वे पुणे वॉरियर्स इंडिया, कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का हिस्सा बने। पांडे अपनी ठोस बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आईपीएल नीलामी की बदलती गतिशीलता और टीमों की रणनीतियों के चलते उन्हें भी लगातार अपनी जर्सी बदलनी पड़ी।

भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। लंबे कद के इस अनुभवी गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन आईपीएल में उन्हें भी कई टीमों के लिए खेलने का अनुभव रहा है। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा ईशांत अब तक 7 टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी टीमों में कोलकाता नाइट राइडर्स, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, किंग्स इलेवन पंजाब, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस शामिल हैं। ईशांत की गति और अनुभव हमेशा टीमों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं।

आईपीएल 2026: महंगा दांव लगाने के बावजूद फ्लॉप रहे ये विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग हर साल दुनिया भर के क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा मंच साबित होती है, जहाँ वे न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि मोटी कमाई भी करते हैं। मिनी ऑक्शन के दौरान टीमें विदेशी खिलाड़ियों पर बड़ा दांव खेलती हैं, क्योंकि वे मैच का पासा पलटने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, हर बार यह दांव सफल नहीं होता। आईपीएल 2026 में भी कुछ ऐसे विदेशी खिलाड़ी रहे हैं, जिन पर उनकी फ्रेंचाइजी ने करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन वे मैदान पर अपनी कीमत के अनुरूप प्रदर्शन करने में बुरी तरह विफल साबित हुए। आइए देखते हैं आईपीएल 2026 में अब तक के सबसे फ्लॉप विदेशी खिलाड़ियों की सूची।

इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन का नाम है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नीलामी में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये की अविश्वसनीय बोली लगाकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था। यह रकम उनके ऑलराउंड प्रदर्शन, खासकर तेज गेंदबाजी और शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी में उनकी क्षमता को देखते हुए खर्च की गई थी। हालांकि, ग्रीन का प्रभाव केकेआर के लिए लगभग नगण्य रहा है। वे न तो बल्ले से अपेक्षित रन बना पाए और न ही अपनी गेंदबाजी से विकेट निकाल पाए, जिससे टीम को भारी नुकसान हुआ। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद उनसे मैच जिताऊ प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वे पूरी तरह से फ्लॉप रहे हैं, जिससे फ्रेंचाइजी को भारी निराशा हुई है।

दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के स्टार खिलाड़ी निकोलस पूरन हैं। वेस्टइंडीज के इस विस्फोटक बल्लेबाज को लखनऊ ने 21 करोड़ रुपये की बड़ी रकम पर रिटेन किया था। पूरन अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और बड़े शॉट्स लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, खासकर डेथ ओवरों में। लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। बार-बार बैटिंग ऑर्डर में बदलाव और दबाव के चलते पूरन अब तक खेले गए 5 मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना पाए हैं। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे मध्यक्रम में स्थिरता प्रदान करेंगे और तेजी से रन बटोरेंगे, लेकिन वे टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं।

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन भी आईपीएल 2026 में अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे हैं। अपनी पावर-हिटिंग और लेग-स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर लिविंगस्टोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये की मोटी रकम पर खरीदा था। हालांकि, इस सीजन में उनकी हालत यह रही कि उन्हें सिर्फ एक मैच में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने मात्र 14 रन बनाए। एक ऐसे खिलाड़ी पर इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद अगर वह टीम की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पा रहा है या मौका मिलने पर प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, तो यह फ्रेंचाइजी के लिए चिंता का विषय है।

श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगा: रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फॉर्मेट में नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की 35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की। अश्विन ने

अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें किसी को जवाब क्यों देना चाहिए? अपने अंदर की आग को बाहर निकालकर, श्रेयस ने सबको दिखा दिया है कि बेहतरीन होना कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग लगातार सवाल उठाते थे कि वह शॉर्ट बॉल नहीं खेल पाते, लेकिन देखिए उन्होंने जसप्रीत बुमराह को कैसे जवाब दिया।

केकेआर के लिए गहराता संकट, रॉयल्स की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। छह मैचों के बाद भी एक भी जीत दर्ज न कर पाने वाली केकेआर को अब अपनी पिछली हार के 48 घंटे से भी कम समय में ऊर्जावान राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से भिड़ना है। केकेआर का अभियान कई मोर्चों पर पटरी से उतर गया है। सीजन शुरू होने से पहले ही मुख्य तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट के कारण बाहर हो गए थे। मथीशा पथिराना के आने में देरी और अनिश्चितता ने संकट को और गहरा कर दिया है। कैमरून ग्रीन के गेंद के साथ केवल कभी-कभार ही योगदान देने के कारण, केकेआर के पास अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण है, जिसमें मारक क्षमता और धार दोनों की कमी साफ दिखती है। यह आश्चर्य की बात नहीं कि वे इस सीजन में सांख्यिकीय रूप से सबसे खराब तेज गेंदबाजी टीमों में से एक रहे हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) से मिली हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने बेबाकी से कहा, जो खिलाड़ी पावरप्ले में गेंदबाजी कर रहे हैं, वे अनुभवहीन हैं। जब यह अनुभवहीन आक्रमण टूर्नामेंट की सबसे विनाशकारी सलामी जोड़ी के सामने आता है, तो केकेआर के पास योजना बनाने या कल्पना करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। केकेआर की चिंताएं केवल गेंदबाजी तक सीमित नहीं हैं। फिन एलन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और अब बेंच पर हैं, रिंकू सिंह पूरी तरह से फॉर्म से बाहर हैं, जबकि अजिंक्य रहाणे दबाव में दिख रहे हैं। केकेआर पावरप्ले में सबसे खराब बल्लेबाजी करने वाली टीमों में से भी है, जिसने छह मैचों में इस चरण में 12 विकेट गंवाए हैं, जबकि प्रति ओवर नौ रन से थोड़ा अधिक ही बना पाई है। रविवार को चुनौती यह भी होगी कि राजस्थान रॉयल्स पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाली टीम रही है। रॉयल्स अपने पिछले मैच में सनराइजर्स से मिली 57 रन की हार के बाद वापसी के लिए बेताब होंगे, जो चार प्रभावशाली जीत के बाद एक अप्रत्याशित घटना थी।

दुनिया का वो क्रिकेटरजो पत्नी को अलमारी में कर देता था बंद

यह किस्सा आज भी क्रिकेट प्रेमियों के बीच सकलैन मुश्ताक की यादों में एक खास जगह रखता है

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर जब पाकिस्तान के महान ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक अपनी उंगलियों को हरकत देते थे, तो दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों के पसीने छूट जाते थे। उनकी अनूठी 'दूसरा' गेंद ने क्रिकेट की डिक्शनरी में एक नया और प्रभावी शब्द जोड़ दिया था, जिससे बल्लेबाजों को भ्रमित करना उनका शगल बन गया था। लेकिन साल 1999 के क्रिकेट विश्व कप के दौरान, इंग्लैंड की ठंडी हवाओं के बीच सकलैन मैदान के बाहर एक ऐसी 'गुगली' खेल रहे थे, जिसकी भनक न तो टीम मैनेजमेंट को थी और न ही उनके कप्तान को। यह कहानी किसी जासूसी फिल्म से कम नहीं है, जिसमें एक तरफ विश्व कप का जबरदस्त दबाव था और दूसरी तरफ एक नया-नवेला शादीशुदा जोड़ा।

सकलैन मुश्ताक की शादी दिसंबर 1998 में हुई थी। अभी शादी की मेहंदी का रंग गहरा ही था कि 1999 का विश्व कप शुरू हो गया। सकलैन के लिए एक अच्छी बात यह थी कि उनकी पत्नी लंदन की ही रहने वाली थीं। सकलैन का अपना एक सीधा सा गणित था- दिन भर मैदान पर पसीना बहाओ, विकेट चटकाओ और शाम को पत्नी के साथ सुकून के पल बिताओ। सब कुछ सही चल रहा था, टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही थी और सकलैन खुद शानदार फॉर्म में थे। लेकिन अचानक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक अप्रत्याशित फरमान जारी कर दिया कि सभी खिलाड़ी अपने परिवारों को तुरंत वापस घर भेजें। बोर्ड का मानना था कि परिवारों की मौजूदगी से खिलाड़ियों का ध्यान भटक रहा है और वे खेल पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन सकलैन के लिए यह तर्क गले उतारना मुश्किल था। वह अपनी लय में थे, टीम जीत रही थी और वह खुद शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने मन ही मन ठान लिया, ÷मैं यह नियम नहीं मानूंगा।÷ और यहीं से शुरू हुआ सकलैन मुश्ताक का अपनी पत्नी को होटल के कमरे की अलमारी में छिपाने का अनोखा और हास्यपूर्ण 'मिशन'।

सकलैन मुश्ताक ने अपनी पत्नी को होटल के कमरे से बाहर नहीं भेजा। लेकिन अब उनके सामने एक बड़ी चुनौती थी कि टीम के मैनेजर और कोच समय-समय पर

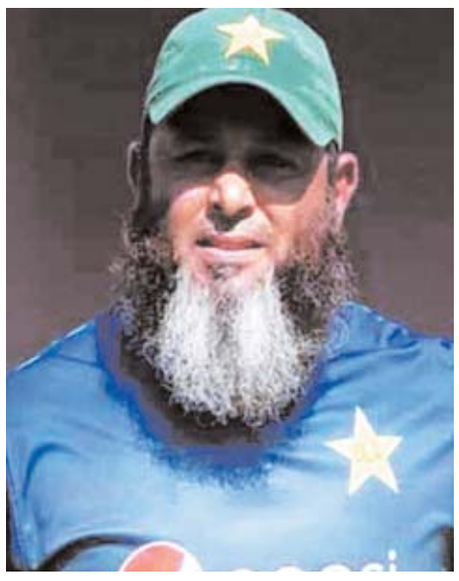

खिलाड़ियों के कमरों का मुआयना करने आते थे, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। यहीं से शुरू हुआ सकलैन मुश्ताक का सबसे मजेदार 'डिफेंसिव' गेम और छिपम-छिपाई का खेल। जब भी दरवाजे पर दस्तक होती, सकलैन का दिल जोर से धड़कने लगता। वह तुरंत अपनी पत्नी से कहते, ÷जल्दी, अलमारी के अंदर जाओ।÷ उनकी पत्नी भी समझदार थीं और चुपचाप अलमारी में कपड़ों के बीच दुबक कर बैठ जातीं और सकलैन चेहरे पर एक मासूम मुस्कान लिए दरवाजा खोलते। चाहे वह कोच रिचर्ड पायबस हों या टीम के अन्य अधिकारी, वे कमरे में झांकते, सकलैन से हाल-चाल पूछते और फिर चले जाते। उन्हें रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि जिस अलमारी के पास वे खड़े हैं, उसके अंदर पाकिस्तान के स्टार स्पिनर की 'बेहतर अर्धांगिनी' अपनी हंसी रोके बैठी हैं, इस अनूठे 'नियम तोड़ने' के कारनामे को अंजाम दे रही हैं। यह लुका-छिपी का खेल कुछ दिनों तक तो चला, लेकिन क्रिकेट टीम में बातें ज्यादा समय तक छिपती नहीं हैं। एक शाम, सकलैन के साथी खिलाड़ी अजहर महमूद और मोहम्मद युसूफ उनके कमरे पर आ धमके। वे नियमों को लेकर चर्चा करने आए थे, लेकिन उनकी नजरें कमरे में कुछ असामान्य ढूंढ रही थीं। सकलैन ने उन्हें टालने की कोशिश की, पर अजहर और युसूफ को कुछ संदिग्ध लगा। उन्हें शक हो गया कि इस कमरे में कोई और भी है। सकलैन की घबराहट उनके चेहरे पर साफ दिख रही थी। अंत में, जब दोस्तों ने बहुत जोर दिया और हंसी-मजाक का माहौल शुरू हुआ, तो सकलैन को अपनी हार माननी पड़ी। उन्होंने मुस्कुराते हुए अलमारी का दरवाजा खोला और अपनी पत्नी को बाहर आने को कहा। उस पल का दृश्य ऐसा था कि अजहर और युसूफ अपनी हंसी नहीं रोक पाए। एक तरफ दुनिया का सबसे खतरनाक स्पिनर खड़ा था और दूसरी तरफ वह अलमारी, जो कुछ पलों के लिए सकलैन के 'प्यार का किला' बन गई थी, जिसने एक अनोखी कहानी रच दी। हैरानी की बात यह है कि इस मानसिक उठापटक और 'लुका-छिपी' के बावजूद सकलैन के खेल पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा। इसी विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने ऐतिहासिक हैट्रिक ली, जो उनकी शानदार गेंदबाजी का एक और प्रमाण था। वह पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक रहे।

मैहर में सामूहिक विवाह सम्मेलन : 200 जोड़ों ने रचाया विवाह, सामाजिक एकता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में रविवार को मैहर में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कुल 200 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे और अपने नए जीवन की शुरुआत की। पूरे कार्यक्रम में पारंपरिक रीति-रिवाजों सांस्कृतिक झलक और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित किया गया। जनपद पंचायत मैहर के तत्वावधान में आयोजित पहले चरण में ग्रामीण क्षेत्र के 150 जोड़ों ने सात फेरे लेकर विवाह संस्कार पूर्ण किया। वहीं दूसरे चरण में नगरपालिका मैहर द्वारा देवी जी रोड स्थित पर्यटक सूचना केंद्र में आयोजित समारोह में शहरी क्षेत्र के 50 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। एक ही मंच पर सैकड़ों परिवारों की मौजूदगी ने इस आयोजन को यादगार बना दिया जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी, नवदंपतियों को मिला आशीर्वाद और सहयोग इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी जनपद अध्यक्ष आकांक्षा लोधी, जिला पंचायत सदस्य जयंती तिवारी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और एसडीएम दिव्या पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की कार्यक्रम के दौरान शासन की ओर से निर्धारित आर्थिक सहायता राशि भी नवदंपतियों को प्रदान की गई जिससे उनके नए जीवन की शुरुआत को संबल मिल सके आयोजन में विभिन्न विभागों के अधिकारी नगर के गणमान्य नागरिक ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिव भी बड़ी संख्या में शामिल हुए पूरा वातावरण पारंपरिक संगीत रीति-रिवाजों और उत्साह से सराबोर रहा। सामूहिक विवाह सम्मेलन ने न केवल सादगीपूर्ण विवाह की प्रेरणा दी बल्कि सामाजिक एकता सहयोग और समानता का भी सशक्त संदेश दिया यह आयोजन समाज में सामूहिकता और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में सामने आया।

नागौद और उचेहरा में सामूहिक विवाह सम्मेलन, 200 जोड़े बंधे वैवाहिक बंधन में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत रविवार को जिले के नागौद और उचेहरा क्षेत्रों में भव्य विवाह सम्मेलन आयोजित किए गए इन आयोजनों में कुल 200 जोड़ों का विवाह विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि अधिकारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा जनपद पंचायत नागौद अंतर्गत बरकोनिया मंदिर (नागौद) और पटपरनाथ मंदिर (सिंहपुर) में आयोजित समारोह में 82 जोड़ों ने सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की वहीं नगर परिषद नागौद द्वारा आयोजित सम्मेलन में 8 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। धार्मिक स्थलों पर संपन्न इन विवाह आयोजनों में पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक समरसता की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी चेहरा में भी दिखा उत्साह जनपद और नगर परिषद में संपन्न हुए विवाह इसी क्रम में जनपद पंचायत उचेहरा के जनपद प्रांगण में आयोजित सम्मेलन में 90 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। वहीं नगर परिषद उचेहरा के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 20 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। सभी आयोजनों में विधिवत पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह संस्कार पूरे किए गए कार्यक्रमों में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने के साथ ही शासन की ओर से निर्धारित आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई जिससे उनके नए जीवन की शुरुआत सुगम हो सके। आयोजन में विभिन्न विभागों के अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधि समाजसेवी और आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे सामूहिक विवाह सम्मेलन ने समाज में सादगीपूर्ण विवाह को बढ़ावा देने के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहारा देने का कार्य किया है एक ही मंच पर सैकड़ों जोड़ों का विवाह संपन्न होना सामाजिक एकता, सहयोग और सामूहिकता का मजबूत संदेश देता है यह आयोजन न केवल एक सामाजिक कार्यक्रम रहा बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन और समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में भी देखा जा रहा है।

चित्रकूट की 350 से अधिक पांडुलिपियों का होगा डिजिटाइजेशन भारतम् मिशन के तहत अभियान शुरू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। धार्मिक महत्व के चित्रकूट के मठ-मंदिरों और आध्यात्मिक स्थलों में उपलब्ध 350 से अधिक हस्तलिखित पांडुलिपियों को संरक्षित करने के साथ-साथ उनका डिजिटाइजेशन किया जाएगा केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने ज्ञान भारतम् पांडुलिपि मिशन की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग को सौंपी है इसी क्रम में शनिवार को एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर और तहसीलदार कमलेश सिंह भदौरिया ने चित्रकूट के धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों में रखी पांडुलिपियों का अवलोकन किया उन्होंने पौराणिक ग्रंथों से संबंधित जानकारी भी जुटाई इन पांडुलिपियों की होगी डिजिटाइजेशन इन पांडुलिपियों में तुलसी शोध संस्थान में महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण के अंश, गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के सात काण्ड, महाभारत के पर्व हस्तलिखित उर्दू रामायण श्रीमद्भागवत, दुर्गासप्तशती और श्रीगुरुचारितम जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ शामिल हैं केंद्रीय संस्कृति विभाग द्वारा ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत हस्तलिखित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 15 जून तक चलेगा, जिसमें देश भर के निजी शोध संस्थानों कॉलेजों, ग्रंथालयों मठ-मंदिरों आश्रमों और प्राइवेट ट्रस्टों में संरक्षित प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों की खोज की जा रही है ताकि उनका डिजिटाइजेशन किया जा सके।

ट्रांसमिशन टावरों एवं सबस्टेशन के आसपास उत्खनन पर प्रशासन ने लगाया प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) सतना के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस संभाग के प्रस्ताव पर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ट्रांसमिशन टावरों तथा 220 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन सतना (सितपुरा) के आसपास किए जा रहे वैध एवं अवैध उत्खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है इस कदम से न केवल ट्रांसमिशन टावरों की संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है बल्कि उनके कमजोर होकर ध्वस्त होने की आशंकाओं को भी प्रभावी रूप से रोका जा सका है इसके अतिरिक्त इस निर्णय से संभावित विद्युत व्यवधान एवं जन-धन हानि के जोखिम को टालने में भी सहायता मिली है। सतना जिले में 220 केवी एवं 132 केवी ट्रांसमिशन टावरों के आसपास बड़े पैमाने पर मुरम एवं मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा था, जिससे इन टावरों की स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया था। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए नागौद के स्थानीय प्रशासन ने टावरों के पास उत्खनन पर प्रतिबंध लगाया है एमपी ट्रांसको द्वारा भी तकनीकी स्तर पर टावरों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई हैं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की और नागौद क्षेत्र में ट्रांसमिशन टावरों के आसपास मिट्टी एवं मुरम के उत्खनन पर धारा 163 के तहत तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया एमपी ट्रांसको के सतना क्षेत्र में विस्तृत ट्रांसमिशन नेटवर्क है जिसमें 132 केवी लाइनों की रूट लंबाई 1506.4 किमी सर्किट लंबाई 2193.6 किमी तथा 5153 टावर शामिल हैं। वहीं 220 केवी लाइनों की रूट लंबाई 675.25 किमी, सर्किट लंबाई 1316.18 किमी तथा 2292 टावर सम्मिलित हैं।

स्वगणना को बढ़ावा, अधिकारियों ने खुद किया डिजिटल जनगणना पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। भारत की जनगणना प्रक्रिया को अधिक सशक्त और सहभागी बनाने के उद्देश्य से मैहर जिले में स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) को बढ़ावा दिया जा रहा है इसी क्रम में जिला जनगणना अधिकारी एवं एसडीएम अमरपाटन डॉ. आरती सिंह ने पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी गणना पूर्ण कर एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया उनके इस कदम का उद्देश्य आम नागरिकों को डिजिटल माध्यम से जनगणना में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है डॉ. आरती सिंह ने बताया कि स्वगणना एक सरल और पारदर्शी प्रक्रिया है जिसमें नागरिक स्वयं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे न केवल समय की बचत होती है बल्कि डेटा की सटीकता भी सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो जनगणना जैसे बड़े राष्ट्रीय कार्य को अधिक प्रभावी बनाएगा नागरिकों से अपील: स्वगणना कर बनें जनगणना के भागीदार इस अवसर पर तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी अमरपाटन आर.डी. साकेत ने भी स्वगणना प्रक्रिया को अपनाते हुए अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे भी इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए स्वयं अपनी गणना करें और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में सहयोग दें अधिकारियों ने बताया कि स्वगणना के माध्यम से जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी सरल और त्रुटिरहित बनती है इससे प्रशासन को सटीक आंकड़े प्राप्त होते हैं जो भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायक होते हैं जिले के नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे जनगणना पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज करें और इस राष्ट्रीय दायित्व को निभाने में आगे आएं साथ ही जिन लोगों को डिजिटल प्रक्रिया में कठिनाई हो वे स्थानीय प्रशासन से सहायता प्राप्त कर सकते हैं मैहर में शुरू की गई यह पहल न केवल जनगणना कार्य को गति देगी बल्कि लोगों में जागरूकता और सहभागिता भी बढ़ाएगी। यह प्रयास प्रशासन और जनता के बीच समन्वय को मजबूत करते हुए एक जिम्मेदार और जागरूक समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

अवैध शराब का जाल बेखौफ, प्रशासनिक कार्रवाई पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले में अवैध शराब का कारोबार लगातार फैलता जा रहा है जिससे कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अमदरा झुकेही अमरपाटन और रामनगर जैसे क्षेत्रों में खुलेआम अवैध शराब बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि यह धंधा अब छिपकर नहीं, बल्कि खुलेआम और बेखौफ तरीके से संचालित हो रहा है, जिससे आमजन में असंतोष बढ़ता जा रहा है सूत्रों के अनुसार कई स्थानों पर बिना वैध लाइसेंस के शराब बेची जा रही है इतना ही नहीं कुछ जगहों पर कथित रूप से अवैध शराब की दुकानें भी संचालित की जा रही हैं विशेष रूप से अमदरा और झुकेही क्षेत्र के ढाबों पर शराब परोसे जाने की शिकायतें लंबे समय से मिलती रही हैं, लेकिन इन पर अपेक्षित स्तर की कार्रवाई नहीं हो पाई है। इससे यह धारणा बन रही है कि संबंधित विभाग इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रहा है जनप्रतिनिधियों की चेतावनी, फिर भी कार्रवाई का अभाव अमरपाटन और रामनगर क्षेत्रों में इस मुद्दे को लेकर जनप्रतिनिधियों ने भी कई बार आवाज उठाई है। उन्होंने प्रशासन से अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर कम ही दिखाई दे रहा है। इससे आबकारी विभाग की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी इस पूरे मामले से अवगत होने के बावजूद ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं विशेषज्ञों का मानना है कि अवैध शराब का बढ़ता कारोबार केवल कानून व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है मिलावटी और घटिया शराब से जान का खतरा बना रहता है। इसके अलावा युवाओं में शराब की बढ़ती लत सामाजिक ताने-बाने को भी प्रभावित कर रही है। कई मामलों में अवैध शराब से जुड़ी घटनाएं अपराधों को भी बढ़ावा देती हैं जिससे स्थिति और जटिल हो सकती है स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में खासतौर पर युवाओं के बीच इसकी पहुंच बढ़ रही है जो भविष्य के लिए चिंता का विषय है। वहीं ढाबों और सुनसान स्थानों पर संचालित इस तरह के अवैध कारोबार से अपराधियों को भी संरक्षण मिलने की आशंका जताई जा रही है हालांकि इन सभी आरोपों पर अब तक आबकारी विभाग या संबंधित निरीक्षक विजय सिंह बघेल की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है इससे लोगों में और अधिक संदेह उत्पन्न हो रहा है। प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है-क्या वाकई इस नेटवर्क की जानकारी अधिकारियों को नहीं है या फिर किसी दबाव में कार्रवाई नहीं की जा रही अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेता है और अवैध शराब के इस फैलते नेटवर्क पर प्रभावी नियंत्रण के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो यह न केवल कानून व्यवस्था बल्कि समाज के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बन सकता है।

उज्बेकिस्तान सलौटीं एमपी की पहली ताइक्वांडो खिलाड़ी अस्मि

रेलवे स्टेशन पर ढोल-नगाड़ों से स्वागत 50 देशों के खिलाड़ियों के बीच खेला टूर्नामेंट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित ताइक्वांडो जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप खेलकर सतना की खिलाड़ी अस्मि भारती रविवार को वापस लौट आई हैं 50 से अधिक देशों के खिलाड़ियों वाली इस चैंपियनशिप में जगह बनाने वाली वह मध्य प्रदेश की पहली ताइक्वांडो खिलाड़ी हैं। वर्तमान में रेलवे स्टेशन पहुंचने पर उनका ढोल-नगाड़ों से स्वागत किया गया और जिला पंचायत सीईओ ने उन्हें सम्मानित करते हुए जिले में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के स्वागत की नई परंपरा शुरू करने की घोषणा की है रेलवे स्टेशन पर हुआ स्वागत घर तक निकाली गई रैली अस्मि भारती रविवार को जब सतना लौटीं तो रेलवे स्टेशन पर ढोल-नगाड़ों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया इसके बाद स्टेशन से उनके घर तक एक भव्य रैली निकाली गई इस रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और पूरे शहर में उत्साह का माहौल देखा गया उज्बेकिस्तान के ताशकंद में हुई इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में 50 से अधिक देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था जिसमें अस्मि ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

CEO बोले- अब हर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का होगा भव्य स्वागत जिला पंचायत के सीईओ शैलेंद्र सिंह ने अस्मि का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया सीईओ शैलेंद्र सिंह ने कहा यह एक नई परंपरा की शुरुआत है। जिला पंचायत अब राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर लौटने वाले सतना के सभी खिलाड़ियों का इसी प्रकार भव्य स्वागत करेगी उन्होंने बताया कि प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और जिले में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है अस्मी ने महिलाओं के 59 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया अस्मी का मुकाबला प्रतियोगिता के पहले दिन 12 अप्रैल 2026 को ग्रीस की खिलाड़ी मार्गरीटा से हुआ इस कड़े मुकाबले (राउंड ऑफ 64 मैच नंबर 207) में अस्मी को हार का सामना करना पड़ा और वह अगले दौर में प्रवेश नहीं कर सकीं सतना की रहने वाली अस्मी ने सोनीपत में हुए फाइनल ट्रायल में प्रथम स्थान प्राप्त कर वर्ल्ड चैंपियनशिप का टिकट हासिल किया था।

मरीज की मौत पर नर्सिंग होम के बाहर हंगामा डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कूल्हे के ऑपरेशन के 23 दिन बाद 70 वर्षीय मरीज की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो जाने पर परिजनों ने शनिवार देर रात एक निजी नर्सिंग होम के बाहर हंगामा किया परिजनों ने शव रखकर प्रदर्शन किया और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया जानकारी के अनुसार सिंहपुर निवासी 70 वर्षीय गुलाब बाई एक दुर्घटना में घायल हो गई थीं, जिससे उनके बाएं कूल्हे में फ्रैक्चर हो गया था परिजनों ने उन्हें 24 मार्च को सर्किट हाउस के पीछे स्थित निजी सतना हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। यहां आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. संकल्प जैन ने मरीज का ऑपरेशन किया ऑपरेशन के बाद 30 मार्च को मरीज को छुट्टी दे दी गई थी। 15 अप्रैल को परिजन मरीज को चेकअप के लिए लाए, जहां घाव में संक्रमण पाया गया। एक दिन के लिए भर्ती कर घाव की सफाई की गई और अगले दिन मरीज को घर भेज दिया गया 18 अप्रैल को मरीज की तबीयत फिर बिगड़ी और परिजन उन्हें वापस नर्सिंग होम ले गए। उस समय मरीज का शुगर स्तर काफी कम था। शुगर नियंत्रित करने के बाद डॉ. संकल्प जैन ने परिजनों को मरीज को हृदय रोग विशेषज्ञ और मेडिसिन डॉक्टर के पास ले जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन मरीज को जिला अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान गुलाब बाई की मौत हो गई नर्सिंग होम के बाहर 11 बजे रात को प्रदर्शन करने पहुंचे परिजन रात लगभग 11 बजे परिजन शव लेकर नर्सिंग होम के बाहर पहुंचे और हंगामा करने लगे। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली टीआई रवीन्द्र द्विवेदी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने लगभग एक घंटे तक परिजनों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में परिजन शव लेकर सिंहपुर रवाना हो गए डॉ. संकल्प जैन ने बताया कि शनिवार को जब मरीज को उनके पास लाया गया था, तब उनका शुगर स्तर कम था और हार्ट अटैक जैसी स्थिति के कारण वह कोमा में थीं। इसी कारण उन्हें मेडिसिन और हार्ट के डॉक्टर के पास ले जाने की सलाह दी गई थी डॉक्टर बोले- यह ट्रेंड इलाज को कठिन बना देगा अस्पताल में हंगामे के बाद डॉ. संकल्प जैन ने कहा कि सतना में जिस प्रकार का माहौल बन रहा है।

खदान में नहाते समय 16 वर्षीय किशोर की डूबकर मौत मिला शव, लापरवाही पर सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगवां थाना अंतर्गत बाबूपुर चौकी क्षेत्र में रविवार को एक 16 वर्षीय किशोर की अवैध खदान में डूबने से मौत हो गई पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है मृतक की पहचान साइडिंग निवासी बरकत खान, पिता स्व. राजू खान के रूप में हुई है बरकत रविवार सुबह करीब 10 बजे अपने दोस्तों के साथ साइडिंग की लालपुर स्थित एक खदान में नहाने गया था नहाने के दौरान वह अचानक खदान के बीच गहराई में चला गया और डूब गया उसके साथ मौजूद दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन अधिक गहराई के कारण वे सफल नहीं हो सके डेढ़ घंटे तक चला सर्च ऑपरेशन घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय युवक मौके पर पहुंचे और तुरंत तलाश अभियान शुरू किया। लगभग डेढ़ घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे बरकत खान को पानी से बाहर निकाला गया। परिजन और साथी उसे तत्काल निजी वाहन से नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया बाबूपुर पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि क्षेत्र में संचालित अवैध खदानें लगातार जानलेवा साबित हो रही हैं लेकिन इन पर रोक नहीं लगाई जा रही।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।